साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 8 • कठुआ, शनिवार 19 जुलाई 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

मुख्यमंत्री ने लद्दाख के नए उपराज्यपाल को बधाई दी, कहा- उन्हें लोगों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील होना होगा

सबका जम्मू कश्मीर

सांबा/जम्मू : जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा नेता कविंदर गुप्ता को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त होने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि जम्मू–कश्मीर की तरह ही लेह और कारगिल क्षेत्रों के लोगों की भावनाओं के प्रति संतुलन बनाए रखना होगा और संवेदनशील होना होगा। अब्दुल्ला ने

सांबा जिले के दौरे के दौरान संवाददाताओं से कहा, ‘लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त होने पर कविंदर गुप्ता को मेरी शुभकामनाएं। लेकिन यह जिम्मेदारी आसान नहीं है। ऊंचाई वाले इलाकों में काम करना चुनौतीपूर्ण है।’ अब्दुल्ला ने

आगे कहा कि जिस तरह गुप्ता ने जम्मू–कश्मीर में विधानसभा अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारियां संभालीं, अब उन्हें लेह और कारगिल में भी उसी संतुलन के साथ काम करना होगा।

उन्होंने कहा, ‘उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि जम्मू–कश्मीर की तरह ही यहां भी संतुलन बनाए रखना होगा और लोगों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील होना होगा। वहां भी उन्हें दोनों पक्षों – लेह और कारगिल क्षेत्र – के साथ काम करना होगा और साथ मिलकर आगे बढ़ना होगा। अगर वह ऐसा करते हैं, तो उन्हें सफलता मिलेगी।’

इस यात्रा के दौरान, अब्दुल्ला ने विजयपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का भी दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया और आपदा प्रबंधन नियमावली का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा, ‘एम्स विजयपुर में उपलब्ध सुविधाएँ काफी अच्छी हैं। हालाँकि अभी राजमार्ग की स्थिति यात्रा के लिए बहुत उपयुक्त नहीं है, फिर भी, यह एम्स भविष्य में देश के अन्य एम्स संस्थानों से बेहतर प्रदर्शन करेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि न केवल

▪ शेष पेज 2...

गलवान की लड़ाई शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण : सलमान खान

सबका जम्मू कश्मीर

मुंबई : सुपरस्टार सलमान खान अपनी आगामी युद्ध ड्रामा ‘बैटल ऑफ गलवान’ में अपना दिल और आत्मा डाल रहे हैं क्योंकि उन्होंने कहा कि यह उनके करियर की अब तक की सबसे अधिक शारीरिक रूप से मांग वाली फिल्मों में से एक है। बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है और इसे "शूटआउट एट लोखंडवाला" प्रसिद्धि के अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित किया गया है।

यह शारीरिक रूप से काफ़ी चुनौतीपूर्ण है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और भी मुश्किल होता जा रहा है। मुझे अब (प्रशिक्षण के लिए) ज़्यादा समय देना होगा। पहले, मैं इसे (प्रशिक्षण) एक या दो हफ़्ते में कर लेता था, अब मैं दौड़ रहा हूँ, लात मार रहा हूँ, मुक्के मार रहा हूँ, और ये सब कर रहा हूँ। यह फ़िल्म इसी की माँग करती है।

खान ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा, उदाहरण के लिए, सिकंदर में एक्शन अलग

▪ शेष पेज 2...

राजस्व अधिकारियों और अन्य के खिलाफ मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने श्रीनगर और बडगाम में छापेमारी की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : आर्थिक अपराध शाखा ने कथित भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के लिए राजस्व विभाग के दो अधिकारियों सहित सात लोगों के खिलाफ एक मामले के सिलसिले में गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर और बडगाम जिलों में कई स्थानों पर तलाशी ली।

ईओडब्ल्यू के एक प्रवक्ता, जिसे पहले जम्मू–कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा के रूप में जाना जाता था, ने कहा, ‘एक अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त किए गए हैं और श्रीनगर और बडगाम जिलों में सात स्थानों पर तलाशी चल रही है।’

मामले का विवरण देते हुए, उन्होंने कहा कि तत्कालीन बलहामा तहसीलदार नुसरत अजीज लोन और पटवारी आशिक अली सहित सात लोगों पर इस साल की शुरुआत में एक निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए राजस्व रिकॉर्ड में ‘धोखाधड़ी’ करने के लिए मामला दर्ज किया गया था।

उनके खिलाफ मामला एक लिखित शिकायत के बाद दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिकायतकर्ता ने मोहम्मद शफी लोन उर्फ शफी चीनी से बलहामा में जमीन का एक टुकड़ा खरीदा था

शिकायतकर्ता ने शफी चीनी को 88.4 लाख रुपये की राशि का भुगतान

▪ शेष पेज 2...

अगला भारतीय अंतरिक्ष यात्री स्वदेश निर्मित अंतरिक्ष यान में यात्रा करेगा : जितेंद्र सिंह

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि शुभांशु शुक्ला की सफल अंतरिक्ष यात्रा ने भारत की भावी यात्राओं के लिए विशेषज्ञता प्रदान की है और अगला भारतीय अंतरिक्ष यात्री स्वदेश निर्मित अंतरिक्ष यान में यात्रा करेगा।

सिंह ने कहा कि एक्सिओम–4 मिशन के तहत शुक्ला के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन सप्ताह के प्रवास से भारत को अंतरिक्ष मिशनों को संभालने में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभव मिला है, क्योंकि यह अपनी गगनयान परियोजना की तैयारी कर रहा है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन – गगनयान – को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है, जो 2027 में

किसी समय दो अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में ले जाएगा।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, ‘गगनयान मिशन पूरी तरह से स्वदेशी होगा, भारत में ही विकसित किया जाएगा, बिल्कुल शुरुआत से। भारतीय अंतरिक्ष यात्री पहली बार किसी भारतीय अंतरिक्ष यान में जा रहे हैं।’

सिंह ने कहा, ‘यह हमें दुनिया के उन विशिष्ट देशों की श्रेणी में भी शामिल कर देगा जो वास्तव में ऐसा करने में सक्षम हैं। और यह हमारे भविष्य के प्रयासों का मार्ग भी प्रशस्त करेगा, जिसमें

▪ शेष पेज 2...

सीबीआई ने पिछले पांच वर्षों में 134 भगोड़ों को विदेश से वापस लाने में मदद की : अधिकारी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : सीबीआई ने पिछले पांच वर्षों में विदेश से 134 भगोड़ों की वापसी कराने में सफलता हासिल की है – जो 2010 से 2019 के बीच एक पूरे दशक में स्वदेश भेजे गए व्यक्तियों की संख्या का लगभग दोगुना है, अधिकारियों ने कहा।

इंटरपोल के साथ–साथ राज्य और केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसियों के साथ निकट समन्वय करते हुए, सीबीआई 2020 से इन 134 भगोड़ों के प्रत्यर्पण या निर्वासन को सुरक्षित करने में सक्षम रही। इनमें से 23 को अकेले इस साल वापस लाया गया।

इसके विपरीत, 2010 और 2019 के बीच के दशक के दौरान केवल 74 भगोड़ों को वापस लाया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि सफलता दर में बढ़ोतरी का श्रेय सरकार द्वारा बढ़ाए गए राजनयिक जुड़ाव, वीवीआईपी यात्राओं के माध्यम से भारत की पहुंच, द्विपक्षीय संबंधों, तकनीकी प्रगति और इंटरपोल के साथ बेहतर समन्वय को दिया जा सकता है।

प्रत्यर्पण की प्रक्रिया के तीन चरण होते हैंः इंटरपोल द्वारा रेड नोटिस जारी करना, भगोड़े की भौगोलिक स्थिति का पता लगाना, और तीसरा, कानूनी और कूटनीतिक दांव–पेंच के बाद

▪ शेष पेज 2...

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस 21 जुलाई को राज्य का दर्जा बहाली की मांग के साथ चलो दिल्ली अभियान शुरू करेगी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : कांग्रेस की जम्मू–कश्मीर इकाई ने इस सप्ताह से ‘चलो दिल्ली’ अभियान सहित कई विरोध प्रदर्शनों की घोषणा की है और राज्य का दर्जा बहाली के अपने तीव्र प्रयास के तहत संसद का ‘प्रतीकात्मक घेराव’ करने की योजना बनाई है।

पार्टी ने गुरुवार को दावा किया कि उसके हस्तक्षेप के बिना जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना ‘असंभव’ है, जिसे 233 इंडिया ब्लॉक सदस्यों का समर्थन प्राप्त है।

जम्मू–कश्मीर कांग्रेस ने फैसला किया है कि वह 19 जुलाई को कश्मीर में और 20 जुलाई को जम्मू में विरोध प्रदर्शन करेगी ताकि राज्य के दर्जे पर हमारा संदेश सरकार तक पहुंचे। इसके बाद, 21 जुलाई को हमारे पास ‘चलो दिल्ली चलो’ अभियान है,’ इसके प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा।

उन्होंने आगे कहा कि ‘दिल्ली चलो’ अभियान के तहत, जम्मू–कश्मीर के प्रत्येक ब्लॉक और जिले के कार्यकर्ता

▪ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

मुख्यमंत्री ने लद्दाख...

जम्मू-कश्मीर के मरीज़ यहाँ इलाज के लिए आते हैं, बल्कि अब आसपास के राज्यों से भी लोग आने लगे हैं। उन्होंने कहा, ष्और इस तथ्य के बावजूद कि राजमार्ग पर यात्रा करना अभी भी मुश्किल है और एक्सप्रेसवे अभी पूरा नहीं हुआ है, मेरा मानना है कि ऐसा होने पर अस्पताल में भीड़ और भीड़ काफी बढ़ जाएगी।ष

गलवान की लड़ाई ...

था, किरदार अलग था। लेकिन यह शारीरिक रूप से कठिन है। इसके अलावा, लद्दाख में, ऊँचाई पर और ठंडे पानी में शूटिंग करना (एक और चुनौती है)।ष लद्दाख साहसिक पर्यटन

अभिनेता ने कहा कि वह इस फिल्म को करने के लिए उत्साहित हैं, जिसकी घोषणा उन्होंने इस महीने की शुरुआत में की थी।

59 वर्षीय अभिनेता ने आगे कहा, ष्जब मैं फिल्म साइन कर रहा था, तो मुझे लगा कि यह कमाल की है, लेकिन यह एक बहुत ही मुश्किल फिल्म है। मुझे लद्दाख में 20 दिन काम करना है और फिर सात–आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने शूटिंग शुरू करेंगे।

मीडिया में आई खबरों से पता चलता है कि ष्बैटल ऑफ गैलवानष ईद पर पारंपरिक रिलीज नहीं होगी, जो कि अक्सर खान की फिल्मों के साथ जुड़ी तारीख होती है, बल्कि अगले साल जनवरी या जून में सिनेमाघरों में आएगी।

जब पूछा गया तो खान ने कहा, "हां, जनवरी।" अभिनेता ने यह भी पुष्टि की कि उनकी 2015 की फिल्म ष्बजरंगी भाईजानष का सीक्वल भी बनाया जा रहा है।

गुरुवार को 10 साल पूरे करने वाली इस फिल्म के बारे में खान ने कहा, मुझे वह फिल्म (फिल्म का पहला भाग) बहुत पसंद आई। इसका विषय और भावनात्मक पृष्ठभूमि लगभग वही होगी। लेकिन यह एक अलग फिल्म होगी।

साइकिलिंग और बाइकिंग के शौकीन अभिनेता, इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के दूसरे सीज़न के लिए आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बोल रहे थे। वह आईएसआरएल के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।

अभिनेता ने कहा, ष्मैं हमेशा से ही साइकिल चलाने का शौकीन रहा हूँ, साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक, मुझे सब पसंद हैं। हालाँकि अब मुझे उतनी बार साइकिल चलाने का मौका नहीं मिलता,ष लेकिन उन्होंने प्रशंसकों को सड़कों पर रेसिंग के प्रति आगाह किया।

सीबीआई ने पिछले...

प्रत्यर्पण, ये सभी समय लेने वाली प्रक्रियाएँ हैं।

इंटरपोल द्वारा रेड नोटिस जारी करने में लगने वाले समय को कम करने के लिए, जो किसी देश में वांछित भगोड़े के बारे में सभी 195 देशों को सचेत करता है, सीबीआई ने जनवरी में अपना डिजिटल पोर्टल भारतपोल लॉन्च किया था।

नई दिल्ली द्वारा आंतरिक रूप से विकसित यह प्लेटफ़ॉर्म, भारतीय पुलिस एजेंसियों को सीबीआई के माध्यम से इंटरपोल से जोड़ता है, जिससे जाँच और प्रत्यावर्तन प्रक्रियाओं में उल्लेखनीय रूप से तेज़ी आती है, जिससे रेड नोटिस के प्रकाशन का औसत समय छह महीने से घटकर तीन महीने रह जाता है। एक

अधिकारी ने कहा, ष्पोर्टल से बेहतर दस्तावेज़ीकरण सुनिश्चित किया है, जिसमें समय लगता था क्योंकि कई बार इंटरपोल के मुद्दों से निपटने वाले अधिकारी उस प्रारूप से अच्छी तरह वाकिफ नहीं होते थे जिसमें भगोड़ों के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन सीबीआई के माध्यम से इंटरपोल को प्रस्तुत किया जाता है। सीबीआई और अन्य एजेंसियों के बीच होने वाला संवाद अब काफी कम हो गया है, जिससे समय की बर्बादी में काफी कमी आई है।ष

इसके अतिरिक्त, प्रत्यर्पण और निर्वासन सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कारक सरकार–से–सरकार समझ है, जिसमें हाल के वर्षों में भारत की बढ़ी हुई राजनयिक गतिविधियों के कारण उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। विदेश मंत्रालय, विशेषकर राजदूतों और उच्चायुक्तों की भूमिका, भगोड़ों के प्रत्यावर्तन में एक महत्वपूर्ण कारक है।

सीबीआई, जो भारत के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो और इंटरपोल के साथ देश की नामित संपर्क नई दिल्ली के रूप में कार्य करती है, ने वैश्विक संचालन केंद्र की स्थापना के माध्यम से अपने अंतर्राष्ट्रीय समन्वय को भी बढ़ाया है। अधिकारियों

ने कहा कि यह केंद्र भारत के प्रत्यर्पण प्रयासों में तेजी लाने के लिए विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करके और इसके विपरीत, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस समन्वित प्रयास की एक उल्लेखनीय सफलता हाल ही में अमे. रिका में नेहल मोदी की गिरफ्तारी थी। नेहल, नीरव मोदी का भाई है, जो वर्तमान में ब्रिटेन में कैद है और भारत प्रत्यर्पण का इंतजार कर रहा है। नीरव मोदी ने अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ मिलकर कथित तौर पर फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

नेहल मोदी, जो पहले न्यूयॉर्क के फ्रैंकलिन सुधार संस्थान में एक अलग सजा के बाद कैद थे, 4 जुलाई को रिहा होने वाले थे। एहतियाती कदम उठाते हुए, सीबीआई ने लगभग एक महीने पहले ही अमेरिकी अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके परिणामस्वरूप नेहल की रिहाई के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अब वह प्रत्यर्पण की कार्यवाही का सामना कर रहा है, जो गुरुवार से शुरू हो रही है।

इस बीच, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी क्रमशः लंदन और एंटवर्प में हिरासत में हैं, और वहां की अदालतों ने उनकी कई जमानत याचिक. ाओं को खारिज कर दिया है। सीबीआई उचित कानूनी माध्यमों से उनके प्रत्यर्पण की कोशिश जारी रखे हुए है।

पिछले हफ़्ते, सीबीआई ने 1999 में अमेरिका भागे एक आर्थिक अपराधी का सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण करवाया। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, भारत ने 9 जुलाई को मोनिका कपूर का प्रत्यर्पण करवाया।

अधिकारियों ने बताया कि यह प्रगति पारस्परिक है, और भारत ने विद. ेशी सरकारों द्वारा वांछित भगोड़ों की वापसी में भी मदद की है। मार्च में, लिथुआनियाई नागरिक अलेक्सेज बेसिओकोव, जो अपने प्लेटफ़ॉर्म ष्गारेंटेक्सष के ज़रिए लाखों डॉलर की मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में अमे. रिकी अधिकारियों द्वारा वांछित था, को केरल में गिरफ़्तार किया गया। देश से भागने की तैयारी कर रहे बेसिओकोव को सीबीआई और केरल पुलिस के एक संयुक्त अभियान में पकड़ लिया गया।

सीबीआई ने खाड़ी देशों से भारत भागे कई भगोड़ों के ख़िलाफ़ भी मुकदमा शुरू किया है।

इसके अलावा, विदेशों, ख़ासकर अमेरिका, जर्मनी और जापान से प्राप्त शिकायतों के आधार पर साइबर अपराधियों पर कार्रवाई के ज़रिए सीबीआई ने ऐसे कई गिरोहों का भंडाफोड़ किया है जो उन देशों में नागरिकों को ठग रहे थे।

देशव्यापी तलाशी के दौरान इन गिरोहों से 30–40 करोड़ रुपये की क्रिप्टोकरेंसी ज़ब्त की गई है। इस तरह की कार्रवाइयाँ भारत के लिए भी फ़ायदेमंद रही हैं, क्योंकि यहाँ से प्रत्यर्पण अनुरोधों को उन क्षेत्राधिक. ारों में अधिक महत्व मिला है।

अगला भारतीय अंतरिक्ष ...

अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना भी शामिल है।ष

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का संचालन पाँच अंतरिक्ष एजेंसियों – नासा, रोस्कोसमोस, यूरोपीय अंतरिक्ष नई दिल्ली, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन नई दिल्ली और कनाडाई अंतरिक्ष नई दिल्ली – के सहयोग से किया जाता है। चीन का अपना अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग भी है।

सिंह ने कहा कि भारत अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है और जब यह चालू हो जाएगा तो वह विदेशी प्रयोगों और अंतरिक्ष यात्रियों की मेजबानी के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, ष्हम अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिए उत्सुक हैं। संभवतः यह वर्ष 2035 तक संभव हो जाएगा और हमने इसका नाम भारत अंतरिक्ष स्टेशन रखने का भी फैसला किया है।ष

सिंह ने इस आलोचना को खारिज कर दिया कि शुक्ला की आईएसएस यात्रा एक वाणिज्यिक मिशन थी और इसका कोई वैज्ञानिक महत्व नहीं था।

सिंह ने कहा, ष्बिल्कुल नहीं। मुझे लगता है कि समझ की कमी है। दरअसल, वह (शुक्ला) उन चारों (अंतरिक्ष यात्री जो एक्सिओम–4 मिशन का हिस्सा थे) में सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे।ष

इसरो ने शुक्ला को आईएसएस भेजने के लिए एक्सिओम स्पेस को 550 करोड़ रुपये का भुगतान किया है और इस लागत में शुक्ला और बैकअप क्रू प्रशांत बालकृष्णन नायर के लिए कई महीनों का प्रशिक्षण भी शामिल है। मंत्री ने कहा, ष्कमांडर पैगी व्हिटसन निश्चित रूप से एक अनुभवी हैं। जबकि, शुभांशु वह पायलट थे जिन्होंने आईएसएस पर अधिकांश प्रयोग किए।ष उन्होंने आगे कहा कि शुक्ला द्वारा किए गए अध्ययनों के परिणाम पूरी मानव जाति के लिए लाभकारी होंगे।

सिंह ने कहा कि शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा ने भारत की भावी यात्राओं के लिए प्रचुर अनुभव एवं विशेषज्ञता प्रदान की तथा देश को बड़े अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए बेहतर स्थिति में रखा।

मंत्री ने कहा, ष्लेकिन सबसे बढ़कर, यह दुनिया भर में एक बहुत बड़ा संदेश भी देता है। जहाँ तक अंतरिक्ष क्षेत्र का सवाल है, भारत अब परिपक्व हो चुका है। सिंह ने कहा कि चंद्रयान–3 की सफलता, जब इसरो ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यान उतारा, ने भारत को अंतरिक्ष में अग्रणी देशों में शामिल कर दिया है।

उन्होंने कहा, ष्इस मिशन की सफलता और शुभांशु द्वारा अंतरिक्ष में किए गए अपने तरह के पहले स्वदेशी प्रयोगों के बाद यह संदेश भी गया है कि भारत आज चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार है।ष

सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के सरकार के फैसले से भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है, जिसके वर्तमान 8.4 अरब डॉलर से बढ़कर 2033 तक 44 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस...

21 जुलाई को कांग्रेस के नेतृत्व में दिल्ली के लिए रवाना होंगे। राष्ट्रीय राजधानी में पहुंचने के बाद, वे और इंडिया ब्लॉक के नेता इस मुद्दे को उठाएंगे।

संसद का एक महीने तक चलने वाला मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। कर्रा ने कहा,

हमारी कोशिश संसद के सामने विरोध प्रदर्शन और प्रतीकात्मक रूप से उसका घेराव करने की होगी। हमारा लक्ष्य दिल्ली में अपनी आवाज़ उठाना है ताकि यह सभी सांसदों तक पहुँचे, जिनमें से 233 इंडिया ब्लॉक के सदस्य हैं जो हमारे मुद्दे का समर्थन करते हैं। यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि यह अभियान कश्मीर से दिल्ली तक फैला होगा। उन्होंने आगे कहा, ष्इंडिया ब्लॉक के 233 सांसदों के साथ, हम संसद और सड़कों पर अपनी आवाज़ उठाएँगे। यह कांग्रेस पार्टी की ओर से एक महत्वपूर्ण आंदोलन की शुरुआत है।ष मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा केंद्र के समक्ष राज्य का मुद्दा उठाने के लिए कांग्रेस को धन्यवाद देने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कर्रा ने कहा, मेरी पार्टी ने इस संघर्ष का नेतृत्व ज़मीनी स्तर से किया है, न कि केवल प्रेस बयानों या बैठक कक्षों में बैठकर। कांग्रेस के हस्तक्षेप के बिना, राज्य का दर्जा बहाल करना असंभव होगा।ष लोकसभा में कांग्रेस के 100 और राज्यसभा में 50 सदस्यों का ज़िक्र करते हुए, कर्रा ने कहा, उसे अपने सहयोगियों का पूरा समर्थन प्राप्त है। राहुल गांधी और (मल्लिकार्जुन) खड़गे जी द्वारा भेजा गया पत्र भारतीय जनता पार्टी के 233 सदस्यों की सामूहिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। संसद में यह एक महत्वपूर्ण आवाज़ है, और अगर कोई इसे स्वीकार करता है, तो यह एक स्वागत योग्य कदम है।ष

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाने की योजना बना रही है, उन्होंने कहा, ष्हमने पहले ही यह बात स्पष्ट कर दी थीरू जब नेशनल कॉन्फ्रेंस ने विधानसभा में इस मुद्दे पर एक विधेयक पेश किया था, तो हमने कहा था कि चूँकि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के फ़ैसले को वैध माना है, इसलिए हमारे लिए अब राज्य का दर्जा बहाल करना ही एकमात्र लक्ष्य है।ष उन्होंने कहा, ष्तब से, हम इस मुद्दे पर आगे बढ़ रहे हैं और अपनी लड़ाई जारी रख रहे हैं।

कर्रा ने ज़ोर देकर कहा कि कांग्रेस राज्य के दर्जे की मांग को जनांदोलन बनाने के लिए ज़मीनी स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मौजूदा दोहरी नियंत्रण व्यवस्था क्षेत्र के विकास को नुकसान पहुँचा रही है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ष्ब्लॉक और ज़िला स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं होता, भ्रम और ठहराव बना रहेगा।ष

विशेष दर्जा (अनुच्छेद 370) बहाल करने के बारे में पूछे गए सवाला. ें के जवाब में, कर्रा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस के आधिकारिक रुख को दो. हराया और कहा, ष्सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार के कदम को वैध ठहराए जाने के बाद, हमारा ध्यान पूरी तरह से राज्य का दर्जा बहाल करने पर केंद्रित हो गया है। हमने लगातार इस रुख़ को बनाए रखा है।ष पुनर्गठन अधिनियम के तहत उपराज्यपाल को दी गई शक्तियों की आलोचना करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि इसने राज्य को दोहरी शक्ति व्यवस्था के तहत शासित बना दिया है।

उन्होंने कहा, ष्हमारा मुख्य मुद्दा और ध्यान राज्य का दर्जा है, यह मामला नहीं। हमने बार–बार कहा है कि जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं होता, भ्रम और अराजकता का यह माहौल बना रहेगा।ष उन्होंने संसद में जम्मू–कश्मीर की चिंताओं को उठाने का बीड़ा उठाने के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का धन्यवाद किया।

कर्रा ने कहा, जमीनी कार्यकर्ताओं से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक, कांग्रेस इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है। दुर्भाग्य से, भाजपा सरकार जम्मू–कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं के प्रति उदासीन बनी हुई है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर सरकार से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए संसद के आगामी मानसून सत्र में एक विधेयक लाने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए एक विधेयक लाए।

राजस्व अधिकारियों ....

किया था और उक्त जमीन के बदले में आरोपी को गोरीपोरा रावलपा. ेरा में स्थित दो कनाल जमीन भी दी थी। बाद में आरोपियों ने इस दो कनाल जमीन को बेच दिया था।

यह भी आरोप लगाया गया था कि रिकॉर्ड अपडेट करने के लिए आरोपियों द्वारा बिक्री के काम वापस ले लिए गए थे।

ईओडब्ल्यू के प्रवक्ता ने कहा, ष्हालांकि, उनके लौटने के बाद पाया गया कि खसरा नंबर बदलकर बिक्री के कामों में प्रविष्टियां की गई हैं।ष

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि रेयाज अहमद भट ने बलहामा में 2.5 कनाल जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है।

शिकायत मिलने पर श्रीनगर के ईओडब्ल्यू पुलिस स्टेशन में एक सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई और जांच के दौरान, प्रथम दृष्टया यह पुष्टि हुई कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता को धोखा दिया था और राजस्व अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों की मिलीभगत से बिक्री के काम. ों में गलत सर्वेक्षण संख्या डाल दी थी। ईओडब्ल्यू प्रवक्ता ने कहा, ष्जांच के दौरान, यह भी सामने आया कि तत्कालीन तहसीलदार बलहामा नुसरत अज़ीज़ और तत्कालीन पटवारी आशिक अली ने अवैध रूप से राजस्व अभिलेखों में झूठे दाखिल–खारिज किए ताकि रियाज़ अहमद भट को अनुचित लाभ पहुँचाया जा सके, जिसने वह ज़मीन बेच दी जो उसकी नहीं थी।

कोई टॉप वकील, कोई इतिहासकार तो कोई रहा विदेश सचिव... कौन-कौन हैं राज्यसभा के लिए मनोनीत 4 सदस्य

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत की संसद में उन चार हस्तियों को मनोनीत किया है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है. राज्यसभा में मनोनीत हुए सदस्य वकील उज्जवल निकम ने मुंबई हमले से लेकर न जाने कितने आपराधिक मामलों में न्याय दिलाया हैं. देश-विदेश में भारत का नाम रोशन करने वाले पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, सामाजिक कार्यों के प्रति हमेशा समर्पित रहने वाले सदानंदन मास्टर और शिक्षा के क्षेत्र में निपुण मीनाक्षी जैन को राज्यसभा के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा में अलग-अलग क्षेत्र में निपुण चार दिग्गजों को मनोनीत किया है. जिनमें प्रख्यात वकील उज्जवल निकम, पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, सामाजिक कार्यकर्ता सदानंद मास्टर और शिक्षा के क्षेत्र में निपुण मीनाक्षी जैन शामिल हैं.

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) ने राष्ट्रपति को यह अधिकार दिया है कि वह राज्यसभा में 12 सदस्यों को मनोनीत कर सकता है. राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में निपुण होते हैं. इन सदस्यों को चुनने का उद्देश्य होता है कि उनके समझ और कौशल का लाभ सदन को मिल सके.

राज्यसभा में अपनी दक्षता के आधार पर मनोनीत हुए सदस्य उज्जवल निकम पेशे से सरकारी वकील हैं. यह वही वकील हैं उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमला करने वाले अजमल कसाब को फांसी के फंदे तक पहुंचाया. इतना ही नहीं, उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई ऐसे आतंकवाद और हत्याकांड के केस लड़े, जिनमें आरोपी को सजा दिला पाना बहुत मुश्किल होता है. इन्होंने न सिर्फ अजमल कसाब को सजा दिलवाई बल्कि 1993 मुम्बई बम ब्लास्ट, गुलशन कुमार हत्या, कोपार्डी बलात्कार-हत्या कई हाई-प्रोफाइल केसों में अभियोजन कर अपराधियों को सलाखों के पीछे करवाया.

उज्जवल निकम को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 2016 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया. उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उन्हें Z+ श्रेणी की सुरक्षा दी है. 2024 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जॉइन की. हाल ही में राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया. अब वह संसद के गलियारों में भी विधि और न्याय की आवाज बनेंगे. महाराष्ट्र के जलगांव में जन्में उज्जवल निकम ने विधि की रक्षा करना विरासत में सीखा हैं. निकम के पिता देवराजी निकम पेशे से न्यायधीश और बैरिस्टर थे. इनके बेटे अनिकेत निकम भी मुंबई हाईकोर्ट में क्रिमिनल वकील के पद पर कार्यरत हैं. निकम ने अपने पेशे की शुरुआत जिला अभियोजक के रूप में की थी. वह अपने तीस साल के करियर में 600 से अधिक आजीवन कारावास और 25 से अधिक मृत्युदंड के अपराधियों को सजा दिला चुके हैं.

हर्षवर्धन श्रृंगला भारतीय विदेश सेवा के एक सीनियर भारतीय राजनयिक हैं. वह 1984 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए और 38 वर्षों तक देश की सेवा की. इन्होंने कई देशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है. उन्होंने अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलेंड में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला. उन्हें कूटनीति यानी देश के लिए दूसरे देशों से अच्छे रिश्ते बनाने का लंबा अनुभव है. वह अंग्रेजी और कई भारतीय भाषाओं के अलावा फ्रेंच, वियतनामी, नेपाली भाषा के भी जानकार हैं.

2020 को श्रृंगला ने 33वें विदेश सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया था, जो विदेश मंत्रालय का सबसे बड़ा पद होता है. अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 'हाउडी मोदी' जैसे बड़े आयोजन में अपनी भूमिका निभाई. विदेश सचिव के पद से सेना आवृत्ति होने के बाद श्रृंगला को 2023 में भारत में हुई जी 20 शिखर अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक नियुक्त किया गया.

मुंबई में जन्में श्रृंगला को पढ़ने में काफी रुचि है. इसके अलावा उन्हें हॉकी खेलना और पर्वतो पर घूमने का भी बहुत शौक है. श्रृंगला के पिता भी प्रशासनिक सेवा में थे.

सदानंदन मास्टर पेशे से एक शिक्षक हैं. वह 1999 से 2020 तक केरल के एक विद्यालय में लंबे समय से सामाजिक विज्ञान के अध्यापक रहे. इसके अलावा वे केरल में राष्ट्रीय शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष और राजनीति में भी काफी सक्रिय हैं.

1994 में कन्नूर में उनके घर पर हमला हुआ. इस हमले में उन्हें अपने दोनों पैर गंवाने पड़े. उन्होंने अपने एक बयान में कहा था घर में जश्न का माहौल चल रहा था, 6 फरवरी को मेरी बहन की सगाई थी और 25 जनवरी को ही अचानक किसी ने उनके ऊपर हमला कर दिया जिसमें उन्हें अपने दोनों पैर गंवाने पड़े थे.

उन्होंने बताया कि तब उनकी उम्र केवल 30 वर्ष की थी. बताया जाता है कि यह हमला कम्युनिस्ट पार्टी माकपा के कुछ लोगों ने करवाया था.

इस हमले के बाद वह राजनीति में पूर्ण रूप से सक्रिय हो गए. साल 2021 में बीजेपी ने उन्हें विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार बनाया था.

सदानंदन मास्टर के साथ-साथ उनकी पत्नी भी पेशे से शिक्षक हैं. उनकी बेटी ने बीटेक की पढ़ाई की है. सदानंद मास्टर आरएसएस की विचारधारा से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने 12 साल की उम्र में ही आरएसएस ज्वाइन कर ली थी.

राज्यसभा में मनोनीत हुई मीनाक्षी जैन एक भारतीय राजनीति शास्त्र और इतिहासकार हैं. जैन पेशे से एक प्रोफेसर हैं. उन्होंने जिस विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण दी, उसी में उन्होंने प्रोफेसर के तौर पर सेवा दी. जैन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज में इतिहास के प्रोफेसर के तौर पर काम किया है.

उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्रदान की. मीनाक्षी जैन को 2014 में भारत सरकार द्वारा भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया गया. 2020 में साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया.

मीनाक्षी ने द्वारा लिखे गए कई लेख और पुस्तकें प्रकाशित हुए, जिनमें औपनिवेशिक भारत में सती प्रथा, हाई स्कूल में पढ़ाई जाने वाली पुस्तक मध्यकालीन भारत, राजा-मुंजे समझौता, राम के लिए युद्ध आदि ऐतिहासिक पुस्तकें शामिल हैं. मीनाक्षी जैन के पिता गिरिलाल जैन टाइम्स ऑफ इंडिया के पूर्व संपादक और पत्रकार हैं.

तमिलनाडु में तेल ले जा रही मालगाड़ी में आग लगने से रेल सेवाएं प्रभावित

सबका जम्मू कश्मीर

चेन्नई : दक्षिणी रेलवे ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में रविवार को डीजल से लदी एक चलती मालगाड़ी में आग लग गई, जिससे चेन्नई-अरक्कोणम मार्ग पर ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, यात्री फंसे हुए थे और राज्य परिवहन निगम ने यात्रा करने वाले लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष बसें चलाईं।

दक्षिणी रेलवे की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, लगभग 5.30 बजे तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते समय डीजल से लदी मालगाड़ी के कुछ मध्यवर्ती डिब्बों में आग लग गई और कई अन्य डिब्बे (इंजन से तीसरा) भी पटरी से उतर गए और 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए।

मालगाड़ी चेन्नई हार्बर से वाला. जाह रोड साइडिंग (वालाजाबाद) जा रही थी। आग और घने धुएं के गुबार आसमान तक उठते देख दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। राज्य मंत्री (अल्पसंख्यक और अनिवासी तमिल कल्याण) ट्रेन सेवाओं के प्रभावित होने के कारण राज्य परिवहन निगमों ने 170 से अधिक विशेष सेवाएं संचालित कीं।

रेलवे ने कहारू ष्तीसरे वैगन में आग लगने पर, लोको पायलट ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाए और तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने एहतियाती सुरक्षा उपाय के रूप में ओवरहेड (ओएचई) बिजली की आपूर्ति बंद कर दी।ष् इसके अलावा, रेलवे ने कहारू ष्हालांकि, जब तक ट्रेन रोकी गई, तब तक आग 19वें वैगन तक फैल गई थी।

केरल की नर्स को यमन में बचाने के लिए हस्तक्षेप करे केंद्र, सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर कल सुनवाई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट सोमवार (14 जुलाई) को उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें केंद्र को एक भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने के लिए राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करने का निर्देश देने की मांग की गई है. नर्स को यमन में हत्या के आरोप में 16 जुलाई को फांसी दिए जाने की संभावना है. जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच इस मामले की सुनवाई कर सकती है. वकील सुभाष चंद्रन केआर द्वारा जल्द से जल्द राजनयिक माध्यमों की तलाश करने की बात कहने के बाद, इस मामले को 10 जुलाई को तत्काल सुनवाई के लिए भेजा गया था. उन्होंने दलील दी थी कि शरिया कानून के तहत मृतक के परिवार को 'ब्लड मनी' के भुगतान की अनुमति दी जा सकती है. उन्होंने कहा कि अगर 'ब्लड मनी' दे दी जाए तो मृतक का परिवार केरल की नर्स को माफ कर सकता है.

'ब्लड मनी' आरोपी (आमतौर पर हत्यारे) या उसके रिश्तेदारों द्वारा मृतक के परिजन को दिया जाने वाला मुआवजा होता है.

बेंच ने वकील से याचिका की कॉपी अटॉर्नी जनरल को देने को कहा और उनकी सहायता मांगी. यह याचिका सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल संगठन की तरफ से दायर की गई है, जो नर्स की मदद के लिए कानूनी सहायता प्रदान कर रही है. याचिका में एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि यमनी प्रशासन ने प्रिया को फांसी देने की संभावित तारीख 16 जुलाई तय की है.

केरल के पलक्कड़ जिले की रहने वाली 38 साल नर्स निमिषा प्रिया को यमन की एक कोर्ट ने 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर की हत्या का दोषी ठहराया गया है.

मानसून सत्र में सरकार को कैसे घेरेगी कांग्रेस? चर्चा के लिए सोनिया गांधी ने बुलाई बड़ी बैठक

नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने पार्टी की रणनीति बनाने को लेकर 15 जुलाई को बैठक बुलाई है. इस बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी करेंगी . यह बैठक सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर की जाएगी. जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है. इस सत्र के दौरान कई बड़े मुद्दों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस की संभावना है. संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, और यह 21 अगस्त तक चलेगा. इस सत्र को 12 अगस्त को खत्म होना था, अब जिसकी समय सीमा एक हफ्ते के लिए बढ़ा दी गई है. आने वाले मानसून सत्र में कई बिल पेश हो सकते हैं. जिसमें परमाणु एनर्जी सेक्टर में निजी क्षेत्र के प्रवेश को आसान करना शामिल है. सरकार केंद्रीय बजट में की गई इस घोषणा को पूरा करने करने की दिशा में कदम उठा रही है, जिसके तहत परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोला जाएगा. जिसके लिए नागरिक दायित्व अधिनियम और परमाणु ऊर्जा अधिनियम में आवश्यक संशोधन करने सोच रही है. इसके अलावा बिहार में वोटर लिस्ट के अंदर संशोधन के चुनाव आयोग के कदम पर विपक्षी पार्टी सरकार को घेर सकती हैं. वहीं, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर विपक्ष की तरफ से चर्चा की मांग की जा रही है.

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

बिहार में मतदाता पहचान पत्र से जुड़े सुलगते सवालों का जवाब आखिर देगा कौन?

ऐसे में सुलगता सवाल है कि जिस आधार पर आप लोगों को सरकारी धनराशि से सहूलियत देते हैं, उसी महत्वपूर्ण श्पहचान आधारश को आप एसआईआर में खारिज कैसे कर सकते हैं।

कमलेश पांडेय

बिहार में इसी वर्ष अक्टूबर–नवंबर माह में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में वहां पर चुनाव आयोग के द्वारा जारी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर पर पक्ष–विपक्ष आमने सामने है और मामला मीडिया माध्यम से आगे बढ़कर सर्वोच्च न्यायालय की दहलीज तक पहुंच चुका है। इसलिए उम्मीद है कि देर आयद, दुरुस्त आयद करते हुए न्यायालय ऐसे दिशा निर्देश जारी करेगा कि भविष्य में राजनेताओं और प्रशास. निक अधिकारियों की सांठगांठ से चलने वाले मतदाता सूची सम्बन्धी खेल पर पूर्ण विराम लग सके।

बहरहाल सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर न केवल आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है, बल्कि ऐसा करने से इसकी प्रक्रिया भी ज्यादा आसान होगी और विभिन्न आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। इस बात में कोई दो राय नहीं कि फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए। इसके अलावा, किसी भी विदेशी व्यक्ति का नाम भी मतदाता सूची में नहीं होना चाहिए, अन्यथा मतदाता सूची की विश्वसनीयता सवालों के कठघरे में रहेगी।

कोर्ट का सही मानना है कि ऐसे एसआईआर अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। जहां तक इसे लेकर संशय की

स्थिति है तो आधार, राशन कार्ड या जॉब कार्ड को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट से बाहर रखने के कारण बड़ी आबादी के सामने संकट खड़ा हो गया है।

ऐसे में सुलगता सवाल है कि जिस आधार पर आप लोगों को सरकारी धन. राशि से सहूलियत देते हैं, उसी महत्वपूर्ण श्पहचान आधारश को आप एसआईआर में खारिज कैसे कर सकते हैं। आपके ऐसा करने से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि स्थानीय जनप्रति. निधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से जो संस्थागत लूट चल रही है, उसकी अब सोशल ऑडिट जरूरी है, क्योंकि इस मामले में पक्ष–विपक्ष सभी शामिल हैं। सच कहूं तो इससे भारत के उन मूल निवासियों को क्षति हो रही है जिनका देश की सरकार और संसाधनों पर पहला अधिकार होना चाहिए।

हमारा आशय उस हिन्दू वर्ग से है जो धार्मिक आधार पर राष्ट्र विभाजन के बाद भी राजनीतिक व संवैधानिक षड्यंत्र का शिकार होता आया है। जब पाकिस्तान व बंगलादेश इस्लामीकरण की राह पर बढ़ रहे हैं तो भारत की धर्मनिरपेक्षता हिंदुओं के साथ बेमानी प्रतीत हो रही है। आलम यह है कि मुस्लिम नेता पाकिस्तान व बंगलादेश से मुसलमानों को बुलाकर यहां बसा रहे हैं और उन्हें सरकारी पहचान पत्र दिलवाने में मदद कर रहे हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने–टोकने की प्रशासनिक विफलता या मिलीभगत से कई सवाल पैदा हो रहे हैं, जो हिंद. ुओं के दूरगामी हित के लिए से चेतावनी दे रहे हैं।

ऐसे में एसआईआर की जरूरत है। साथ ही, सरकारी पहचान पत्र बनवाने और उससे लाभान्वित होने के पूरे खेल की समीक्षा हो और जिम्मेदार अधिका. रियों, नेताओं और उनके दलों के खिलाफ ऐसी कड़ी कार्रवाई हो, कि उनके चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगे, राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त हो और अधिकारियों–कर्मचारियों की बर्खास्तगी की जाए। क्योंकि ये लोग भारत के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, केवल किशनगंज जिले में एक हफ्ते के भीतर निवास प्रमाण पत्र के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। कई जगह घर–घर जाकर इंयुमरेशन फॉर्म्स (म्दनउमतंजपवद थ्वतउे) बांट रहे कर्मियों ने लोगों से कहा है कि वे आधारकार्ड की कॉपी ही जमा करा दें। लिहाजा ऐसे कंफ्यूजन से बेहतर है कि आयोग बीच का रास्ता निकाले। जहां तक एसआईआर के समय पर सवाल है तो शीर्ष अदालत ने स्पेशल इंटेंसिव रिव. ीजन (ैचमबपंस प्दजमदेपअम त्मअपेपवद) पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन इसके समय को लेकर जो सवाल उठाया, वह बिल्कुल वाजिब है। ऐसा इसलिए कि बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। लिहाजा बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह इसका समय भी है। जिनके पास जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे।

हालांकि आयोग ने कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि किसी को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वहीं, जहां तक नागरिकता पर फैसला का सवाल है तो बताया गया है कि इस अभियान का उद्देश्य ऐसा नहीं है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा है और लोकतंत्र में सबसे अहम है लोक यानी जनता। लेकिन, चुनाव आयोग की मौजूदा प्रक्रिया में जनता को ही सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। यह रिवीजन जुड़ा है वोटर लिस्ट से, लेकिन मैसेज जा रहा है कि इससे नागरिकता तय होगी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से राहत मिलेगी कि निर्वाचन आयोग का नागरि. कता से कोई लेना–देना नहीं है।

हालांकि, इतना तो तय है कि इस एसआईआर अभियान का असर अब पूरे देश पर पड़ेगा।

ऐसा होना भी चाहिए। लेकिन जबतक संविधान में अमूलचूल बदलाव नहीं होगा तबतक इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने में मुश्किल आएगी।चूंकि यह मामला केवल बिहार तक सीमित रहने वाला नहीं है। ऐसे में दूसरे राज्यों में वोटर लिस्ट की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। क्योंकि अगला नम्बर पश्चिम बंगाल और असम का आएगा जहां अगले साल चुनाव होंगे।

ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है। इसी से यह स्पष्ट हो जाएगा कि भारत के इस्लामीकरण का यह परोक्ष अभियान निकट भविष्य में थमेगा या जारी रहेगा। क्योंकि इसके तार अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से जुड़े हुए हैं। अमेरिका–पाकिस्तान–चीन दशकों से इस कोशिश में जुटे हैं, क्योंकि हमारी सरकारें भी अपने वोट बैंक के लिहाज से काम करती आई हैं, भारतीय राष्ट्रवाद के हिसाब से नहीं। खासकर 15 अगस्त 1947 के बाद उतपन्न अप्रत्याशित स्थिति से!

होना तो यह चाहिए कि भारत सरकार का जनसंख्या रजिस्टर ऑनलाइन हो। उसमें स्पष्ट उल्लेख हो कि इस ग्राम या मोहल्ले का फलां व्यक्ति अब फलां जगह के लिए पलायन कर गया है।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश होगा जल–समृद्ध

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है।

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने अभिनव प्रयोगों से अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के लिए प्रारंभ हुआ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी पहल है। निकट भविष्य में हमें इसके सुखद परिणाम दिखायी देंगे। शुभ प्रसंग पर शुभ संकल्प के साथ जब कोई कार्य प्रारंभ किया जाता है, तब उसकी सफलता के लिए प्रकृति एवं ईश्वर भी सहयोग करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश सरकार ने गुड़ी पड़वा (30 मार्च) से 30 जून तक प्रदेश स्तरीय 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाकर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो जनांदोलन में परिवर्तित हो गया। सरकार को भी विश्वास नहीं रहा होगा कि जल संरक्षण जैसे मुद्दे को जनता का इतना अधिक समर्थन मिलेगा कि सरकारी अभियान असरकारी बन जाएगा और समाज इस अभियान को अपनी जिम्मेदारी के तौर पर स्वीकार कर लेगा। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत और इससे प्रेरित होकर प्रदेश में अनेक स्थानों पर जल स्रा. `तों को पुनर्जीवित किया गया, उनको व्यवस्थिति किया गया और वर्षा जल को एकत्र करने की रचनाएं बनायी गईं। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और प्रतिबद्धता ने जल संरक्षण के इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दे दिया है, जिससे जल संरक्षण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। इस अभियान में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सक्रिय सहयोग मिला, जिन्होंने जल संवर्धन के संदेश को घर–घर तक पहुँचाया। ये जलदूत जब गाँव–गाँव, नगर–नगर और घर–घर जल संरक्षण का संदेश लेकर पहुँचे तो एक सकारात्मक वातावरण भी बना और जल संरक्षण को लेकर समाज के भीतर एक जागरूकता भी आई। निरूसंदेह, यदि यह जनजागरूकता स्थायी हो जाए तो जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। अभियान को शुरू करते समय सरकार ने जो लक्ष्य तय किया था, उससे कहीं अधिक परिणाम धरातल पर प्राप्त हुआ है।

जल संरक्षण के लिए 38 हजार नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 254 करोड़ रुपये की लागत से 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज किया गया, जिसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इंदौर संभाग ने स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर–एक का स्थान हासिल किया है। ये दो प्रमुख उदाहरण हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। समूचे मध्यप्रदेश में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया, जो जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करनेवाले हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित हैं। याद हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जनांदोलन चलाने का आह्वान किया था। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह किया कि वह अपने स्तर पर वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रयास करे। प्रधानमंत्री मोदी की पहलकदमी पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत 'कैच द रेन' अभियान को शुरू किया है।

अमेरिकी हथियार, यूक्रेन से सबक, चीन पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा ताइवान?

अभिनय आकाश

दुनिया ने हाल के दिनों में चार बड़े युद्धों को देखा है। दुनिया पिछले कई सालों से रूस और यूक्रेन के बीच के युद्ध को देख रही है। अभी हाल ही में पाकिस्तान और भारत के बीच एक छोटे से युद्ध को देखा। वहीं ईरान और इजरायल के बीच भी युद्ध हुआ। ये सारे युद्ध दुनिया में हो रहे हैं तो इससे बाकी दुनिया के देश डर भी गए हैं और सावधान भी हो गए हैं। जिन देशों के पारंपरिक दुश्मन पहले से रहे हैं, वो देश पहले से कहीं ज्यादा बेहतर तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि कभी ऐसा दिन उन्हें भी देखने को मिल सकता है। ऐसा ही फ्लैशप्वाइंट ताइवान है, जो ये जानता है कि आज नहीं तो कल चीन उस पर हमला करेगा। उस पर कब्जा करने की कोशिश करेगा और ताइवान अभी से अपने आप को उस स्थिति के लिए तैयार कर रहा है। ताइवान ने 9 जुलाई से अपना आज तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया। इस एक्सरसाइज को हान क्यान नाम दिया गया है। ये युद्धाभ्यास दस दिनों तक चलेगी। इसमें ताइवान अपने ही सेना के कमांड और कंट्रोल सेंटर पर सिमुलेटेड अटैक करेगा। यानी ताइवान की सेना खुद को उस स्थिति में रखेगी जैसे चीन ने उस पर हमला कर दिया है। अगर चीन हमला करता है तो ताइवान की सेना क्या करेगी, कैसे युद्ध लड़ेगी उसी को लेकर ताइवान की तरफ से युद्धाभ्यास हो रहा है। किसी भी तरह के हमले का मुकाबला करने के लिए लिए लड़ाकू हेलीकॉप्टर उतारे गए, सैनिकों की

ताइवान ने 9 जुलाई से अपना आज तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया। इस एक्सरसाइज को हान क्यान नाम दिया गया है। ये युद्धाभ्यास दस दिनों तक चलेगी। इसमें ताइवान अपने ही सेना के कमांड और कंट्रोल सेंटर पर सिमुलेटेड अटैक करेगा। यानी ताइवान की सेना खुद को उस स्थिति में रखेगी जैसे चीन ने उस पर हमला कर दिया है।

तैनाती हुई और हर तरह प्रकार का अभ्यास इस एक्सरसाइज में किया गया।

घातक हथियारों से ताइवान की ड्रिल गोले दागते घातक टैंक और आगे बढ़ता टैंकों का एक पूरा समूह जिन्हें देखकर ऐसा लगता है कि मानो किसी बड़े हमले की तैयारी हो रही हो। ताइवान के ताइपे में अपनी तीनों सेनाओं के साथ एक ड्रिल कर रहा है। इसका उद्देश्य संभावित आक्रमण के खिलाफ खुद का बचाव करना है।

जमीन से लेकर आसमान तक और समुद्र की लहरों के बीच दुश्मन के आक्रमण से बचने और दुश्मन को अपनी सैन्य शक्ति दिखाने के लिए ड्रिल कर रहा है। ताइवान ने ये ड्रिल चीन के युद्धभ्यास के बाद किया। करीब 10 दिन पहले चीन ने ताइवान की सीमा के पास युद्धभ्यास किया था।

चीन ने ताइवान की खाड़ी में अपनी खास फौज उतारी थी। जिसके बाद ताइवान ने ये ड्रिल शुरू किया। अमेरिका से मिले इब्राहिम टैंक्स के जरिए ताइवान

ने साफ कर दिया कि वो किसी से डरने वाला नहीं है और वो हर स्थिति का डट कर मुकाबला करेगा।

यूक्रेन से सबक

ताइपे की तरफ से अब तक का सबसे लंबा युद्धभ्यास चल रहा है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि ताइपे का ये कदम यूक्रेन के फाइटिंग स्पिरट से इंस्पायर प्रतीत होता है। बीते तीन साल से भी ज्यादा वक्त से यूक्रेन रूस के साथ युद्ध लड़ रहा है।

जब रूस ने यूक्रेन पर अटैक किया था तो सभी को लगा था कि ये तो कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा। लेकिन एक छोटे से देश यूक्रेन ने अमेरिकी सैन्य मदद के साथ रूस जैसे शक्तिशाली देश को 3 साल से भी ज्यादा वक्त से युद्ध में उलझाए रखा है।

यूक्रेन के डिफेंसिव मोड से सबक लेते हुए हाइब्रिड वॉरफेयर को ध्यान में रखते हुए अपने अब तक के सबसे बड़े सैन्य अभ्यासों कर रहा है। देश का सैन्य नेतृत्व खुले तौर पर स्वीकार करता है कि हान कुआंग अभ्यास यूक्रेन के रूस के प्रति प्रतिरोध से सीख लेकर किया गया है, तथा इसमें यथार्थवादी युद्ध परिदृश्यों और उस संघर्ष में उजागर हुई कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

ये अभ्यास यूक्रेन से किस प्रकार प्रेरित हैं?

ये अभ्यास कमान संरचनाओं के विक. ेंद्रीकरण और संचार अवसंरचना की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं, जो दर्शाता है कि यूक्रेन ने साइबर हमलों और मिसा. इल हमलों के दौरान परिचालन प्रभावशीलता कैसे बनाए रखी। ताइवान हवाई हमले के ठिकानों को मजबूत कर रहा है, नए नागरिक सुरक्षा दिशानिर्देश जारी कर रहा है, और सार्वजनिक हवाई रक्षा अभ्यास कर रहा है, ये कदम बड़े पैमाने पर हमलों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के लिए यूक्रेन के दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

ग्रे ज़ोन रणनीति का मुकाबला आधु. निक युद्ध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। ताइवान के अभ्यास चीनी तटरक्षक बल और समुद्री मिलिशिया उत्पीड़न के खिलाफ जवाबी उपायों के साथ शुरू हुए हैं, जो यूक्रेन में देखे गए हाइब्रिड युद्ध और अस्पष्ट आक्रामकता को दर्शाते हैं।

ताइवान ने अमेरिका द्वारा आपूर्ति किये गये अब्राम्स टैंक और भ्ड|ै रॉकेट सिस्टम तैनात किये हैं, जिनका उपयोग यूक्रेन द्वारा किया जाता है।

रणनीतिक संकेत देना मकसद

अभ्यास के दौरान, ताइवान लाइव सिमुलेशन के माध्यम से आक्रमण परिदृश्यों का पुनरावलोकन करेगा। इसमें चौबीसों घंटे, लाइव–फायर ऑपरेशन, एंटी–लैंडिंग अभ्यास और 22,000 रिज़र्व सैनिकों की तैनाती शामिल है, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है, ताकि पूर्ण पैमाने पर आक्रमण की तैयारी का परीक्षण किया जा सके। देश अपने नागरिकों को संभावित युद्ध परिदृश्य के लिए भी तैयार कर रहा है। यह सार्वजनिक संदेश प्रणाली तैयार कर रहा है और गलत सूचनाओं से लड़ रहा है। अधिकारी नागरिकों को संभावित व्यवधानों के बारे में चेतावनी दे रहे हैं और गलत सूचनाओं के प्रति सतर्क रहने का आग्रह कर रहे हैं, एक ऐसी चुनौती जिसका यूक्रेन को पूरे संघर्ष के दौरान सामना करना पड़ा है।

ताइवान में चल रहे इस अभ्यास के पीछे और भी कुछ हो सकता है। इसका उद्देश्य रणनीतिक संकेत देना भी हो सकता है। अभ्यासों को और अधिक कठोर और सार्वजनिक बनाकर, ताइवान चीन को यह दिखाकर रोकना चाहता है कि वह एक अप्रत्याशित प्रतिद्वंद्वी है, ठीक वैसे ही जैसे यूक्रेन रूस के लिए साबित हुआ है।

जीएसटी की 12 प्रतिशत स्लेब में बदलाव से उद्योग और आमजन को मिलेगी राहत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वस्तु एवं सेवा कर यानी कि जीएसटी की चार स्लेबों में से दूसरी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जिस तरह की चर्चाएं आम हो रही है उससे मध्य व निम्न वर्ग में आशा का संचार होने लगा है। दरअसल समाज का मध्यम और निम्न वर्ग सबसे अधिक प्रभावित जीएसटी की 12 प्रतिशत वाली स्लेब से ही हो रहे हैं। इन वर्गों से जुडी वस्तुएं या सेवाओं पर लगने वाला कर सीधा सीधा इन्हें प्रभावित करता है। इसका कारण भी साफ है कि दैनिक उपभोग की अधिक. ांश वस्तुएं इसी स्लेब में आती है। खाने–पीने की वस्तुओं के साथ ही जूते–चप्पल, कपड़े आदि भी इसी स्लेब में आते हैं। हांलाकि विशेषज्ञों के अनुसार 12 प्रतिशत की स्लेब पर निर्णय से सरकार पर 40 से 50 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का असर पड़ेगा पर यह भी माना जा रहा है कि बाजार में इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और मांग बढ़ने से काफी मात्रा में राजस्व पूर्ति हो सकेगी। वैसे भी फ्री बीज के नाम पर बहुत कुछ जा रहा है तो फिर यदि बड़ी आबादी को राहत और लोकहित में कोई निर्णय किया जाता है तो वह अधिक लाभकारी होता है। हालांकि इस निर्णय के भी बिहार सहित अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से जोड़कर राजनीतिक अर्थ

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरूपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देष में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है।

निकाले जाएंगे पर इस तरह के निर्णयों पर राजनीति करना उचित नहीं कहा जा सकता। जानकारों के अनुसार जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में 12 प्रतिशत वाली स्लेब को या तो विलोपित करने पर विचार किया जा सकता है या फिर इसमें से आम उपभोग की वस्तुओं को पांच प्रतिशत की स्लेब के दायरें में लाया जा सकता है। 12 प्रतिशत की स्लेब को विलोपित किया जाता है तो इसके दायरें में आ रही वस्तुएं या सेवाएं 5 प्रतिशत की स्लेब दायरें में आने की अधिक संभावना हैं। यदि विलोपित भी नहीं की जाती है और आज की प्रचलित चार स्लेबों 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत में से सीधे आम उपभोग की वस्तुओं और सेवाओं को नीचे वाली और शेष को अन्य स्लेबों में समायोजित किया जा सकता है। बढ़ती मंहगाई के कारण आम नागरिकों

खासतौर से मध्य और निम्न मध्य वर्ग को राहत दिलाने के लिए इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देश में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है। अब तक जीएसटी काउंसिल की 57 बैठकें हो चुकी है और इनमें अनवरत रुप से सुधार व बदलाव किया जाता रहा है। 12 प्रतिशत के बदलाव की चर्चा छेड़कर बैठक से पहले ही बहस छेड़ दी गई है। इसे सकारात्मक भी माना जाना चाहिए क्योंकि जीएसटी स्लेबों के निर्धारत में राज्यों की भी प्रमुख भूमिका होती है। जीएसटी काउंसिल में राज्यों के प्रति. निधि भी हिस्सा लेते हैं और उसी में निर्णय किया जाता है। जीएसटी से संग्रहित होने वाली राशि राज्यों को भी मिलती है तो समूचे देश में एक वस्तु पर एक ही दर लगने से अदायगी राशि एक ही होती है। जीएसटी यानी कि एक राष्ट्र एक कर की अवधारणा अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री काल में सामने आई थी। डॉ. विजय केलकर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन हुआ। समान कर की बात तो सभी सरकारों द्वारा की जाती रही पर 1 जुलाई 2017 को यह व्यवस्था लागू हो सकी। हांलाकि आमनागरिकों की भारी मांग के बावजूद पेट्रोल–डीजल को अभी तक जीएसटी के दायरें में नहीं लाया जा सका है और इसका कारण भी बड़ा साफ है कि इसमें केन्द्र राज्यों की सभी सरकारों के हित जुड़े हुए हैं। पेट्रोल–डीजल के भाव बढ़ने और इस पर कितना कर लग रहा है इस पर तो पक्ष विपक्ष हल्ला तो बोल लेते हैं पर कभी जीएसटी के दायरें में लाने के सार्थक प्रयास नहीं कर पाये हैं।

समान कर प्रणाली की अवधारणा सबसे पहले फ्रांस में आई। 1954 में फ्रांस में जीन वेप्टिस्ट कालवर्ट जीएसटी की अवधारणा सामने लाये और इस समान कर प्रणाली की सकारात्मकता का ही परिणाम है कि दुनिया क 160 देशों में जीएसटी जैसी समान कर प्रणाली प्रचलन में है।

हमारे देश में 12 प्रतिशत की स्लेब इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी कर दायरें में आती है। एक हजार रु. से अधिक के कपड़े जूते से लेकर घी, तेल, मक्खन, डेयरी उत्पाद, सब्जियां, फल, मेवे सहित खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, 20 लीटर पैक में पीने के पानी की बोतल, कॉटन हैण्ड बैग जूट का सामान, पत्थर और लकड़ी आदि की मूर्तियां, चश्मा, बच्चों की पेंसिल स्लेट, खेल का सामान, यहां तक कि क्लीन एनर्जी डिवाइस सहित बहुत सारी वस्तुएं इस दायरें में आती है। सीधी सी बात यह है कि यह वस्तुएं ऐशो–आराम की वस्तुएं तो है नहीं और कम से कम मध्यवर्गीय परिवार तो इन्हें खरीदता ही है तो निम्न वर्ग परिवार भी दूसरी कटौती या अपना पेट काटकर इन्हें खरिदता है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने लगाया जन दरबार, ग्रामीणों ने खोली विभागों की पोल

समस्याएं सुनते ही अधिकारियों को दिए मौके पर निर्देश, समाधान का दिया भरोसा

राज कुमार

जसरोता : जनता की समस्याएं जानने और उनका समाधान करवाने के उद्देश्य से जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के गांव जुथाना में शुक्रवार को भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने एक विशाल जन दरबार व जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

जन दरबार में भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और बिजली, पानी, सड़क, पेंशन, राशन और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं की झड़ी लगा दी। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं और कई विभागों पर लापरवाही के आरोप भी लगाए।

विधायक जसरोटिया ने एक–एक फरियादी की बात ध्यान से सुनी और कई शिकायतों को मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए तुरंत समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि, ष्जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनना हमारी प्राथमिकता है। भाजपा सरकार जवाबदेही और पारदर्शिता में विश्वास रखती है।ष

पेंशन और वित्तीय सहायता योजनाओं में हो रही देरी को लेकर भी कई लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं। इस पर विधायक ने सामाजिक कल्याण विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाए।

मीडिया से बातचीत में जसरोतिया ने कहा, ष्जन दरबार एक ऐसा मंच है, जहां जनता निडर होकर अपनी बात रख सकती है।

हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी हमदनपदम शिकायत अनसुनी न रहे। अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि हर शिकायत का समाधान समयबद्ध तरीके से हो।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जनता से सीधा संवाद कायम करने के लिए लगातार ऐसे शिविर आयोजित कर रही है। ष्हमारा मकसद सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है,ष उन्होंने जोड़ा।

जन दरबार में ग्रामीणों ने विधायक की पहल की तारीफ करते हुए कहा कि इससे आम आदमी को अपनी बात सीधे कहने का अवसर मिलता है और समाधान की उम्मीद भी बंधती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही।

हिंदी विरोध के जरिए राष्ट्रीय मानस पर चोट

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी बोलने के लिए हिंदीभाषियों को प्रताड़ित करने वाली राजनीति का अतीत भी ऐसा ही रहा है। शिवसेना का उभार पिछली सदी के साठ के आखिरी वर्षों में मुंबई में मलयालम बोलने वालों को खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ।

इसे राजनीतिक विद्रूप ही कहेंगे कि हिंदी को राजभाषा बनाने का विचार देने वाली मराठी माटी पर ही हिंदीभाषियों को अपमानित किया जा रहा है। महाराष्ट्र की धरती पर हिंदीभाषियों को अपमानित करने में राजनीति के दो चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ अपमानित करने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे है तो दूसरी तरफ राज्य की सत्ता है। हिंदीभाषियों को अपमानित करने वाली राजनीति का मकसद हिंदी विरोध पर मराठी मानुष की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना वोट बैंक मजबूत करना है तो दूसरी तरफ सत्ता और विपक्ष के एक हिस्से की राजनीति है, जो अपमानित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई इस डर से नहीं कर रही कि कहीं इससे मराठी मानुष की धारणा कमजोर ना हो जाए और उसके जरिए उसका अपना समर्थक आधार ना खिसक जाए। राजनीति की इस चक्करघिन्नी में निम्न मध्यवर्गीय या हाशिये वाला हिंदीभाषी समुदाय ही पिस रहा है। उसका अपराध यह है कि वह महाराष्ट्र में रहते हुए मराठी ना बोलकर हिंदी बोल रहा है।

हिंदी बोलने के लिए हिंदीभाषियों को प्रताड़ित करने वाली राजनीति का अतीत भी ऐसा ही रहा है। शिवसेना का उभार पिछली सदी के साठ के आखिरी वर्षों में मुंबई में मलयालम बोलने वालों को खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ। मनसे के कार्यकर्ता 2008–09 के दौरान तो केंद्रीय नौकरियों के लिए मुंबई में परीक्षाएं देने आए उत्तर भारतीय विशेषकर उत्तर प्रदेश–बिहार के छात्रों को को खुलेआम पिटते रहे। उस समय की राज्य सरकार ने इस बदसलूकी के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने से बचती रही थी और आज की सरकार का भी कुछ वैसा ही रवैया है। मराठी मानुष का बोध महारार्ष्ट्र में इतना गहरा है कि सरकारें चाहें जिस भी दल की हो, इस मसले पर तकरीबन एक जैसा रूख अपनाने से परहेज नहीं करतीं।

भारत की संपर्क भाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने का विचार देने में महाराष्ट्र की हस्तियों का बड़ा योगदान रहा है। लोकमान्य तिलक ने बंग–भंग के वक्त 1905 में वाराणसी की यात्रा की थी। वहां उन्होंने नागरी प्रचारिणी सभा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जो कहा था, उसे महाराष्ट्र की हिंदीविरोधी राजनीति को जानना चाहिए। तिलक ने कहा था, 'निरूसंदेह हिंदी ही देश की संपर्क और राजभाषा हो सकती है। लोकमान्य अकेले मराठी मानुष नहीं हैं, जिन्होंने हिंदी को लेकर यह विचार दिया। 1960 से पहले आज का गुजरात राज्य भी महाराष्ट्र का ही हिस्सा था। 1880 में गुजराती कवि नर्मदाशंकर दवे उर्फ नर्मद कवि ने लोकमान्य से करीब चौथाई सदी पहले हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में आगे लाने का सुझाव दिया था।

हिंदी को स्थापित करने की महात्मा गांधी की कोशिशों से भला कौन इनकार कर सकता है। 1918 में गांधी जी की अध्यक्षता में हुए इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन को हर हिंदीप्रेमी जानता है। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि गांधी जी ने 1917 में भरूच में आयोजित गुजरात शैक्षिक सम्मेलन में पहली सार्वजनिक तौर पर हिंदी की ताकत को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा था, ष्भारतीय भाषाओं में केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाया जा सकता है।ष हिंदी के प्रचार को राष्ट्रीय कार्यक्रम मानने वाले काका कालेलकर भी मराठी भाषी ही थे। सतारा में जन्मे कालेलकर ने 1938 में कहा था, 'राष्ट्रभाषा प्रचार हमारा राष्ट्रीय कर्म है।' रचनात्मक आंदोलनकारी और गांधी जी के शिष्य विनोबा भी ताजिंदगी हिंदी के संघर्षरत रहे। उन्होंने हर भारतीय भाषा को एक–दूसरे के करीब लाने के लिए अनूठा सुझाव दिया था। उन्होंने हर भाषा से नागरी लिपि अपनाने का सुझाव दिया था। सिर्फ राजनीति ही नहीं, पत्रकारिता जगत की मराठीभाषी हस्तियों ने भी हिंदी को स्थापित करने में रचनात्मक भूमिका निभाई है और साहस दिखाया है। हिंदी पत्रकारिता आज जिस मुकाम पर है, उसमें बड़ा योगदान मराठीभाषी पत्रकारों और लेखकों का भी है। माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, रामकृष्ण खाडिलकर, लक्ष्मण नारायण गर्दे जैसे पत्रकारों ने हिंदी को नई शैली में गढ़ा, उसके शब्द गढ़े, और उसे ऊंचाई दी। हिंदी इन मराठीभाषी महात्मनों की शुक्रगुजार है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से निकले धर्मयुग ने दशकों तक हिंदीभाषी पाठकों के दिलों पर राज किया।

ऐसे महाराष्ट्र की धरती पर अगर हिंदी बोलने वालों का अपमान होना दुखद ही कहा जाएगा। हिंदी को लेकर महाराष्ट्र की धरती पर अतीत में ऐसी सोच नहीं रही है। हिंदी विरोध की ग्रंथि तमिलनाडु में आजादी के पहले से ही रही है, जिसका संक्रमण कर्नाटक तक पहुंचा है। कर्नाटक रक्षण वेदिके ने 2017 में हिंदी बेड़ा अभियान यानी हिंदी विरोधी अभियान चलाया। साल 2019 में हिंदी दिवस न मनाने के लिए भी राज्य में अभियान चला। शुरू में इन विरोध प्रदर्शनों को बड़ा समर्थन नहीं मिला। राजनीति और मीडिया के हलकों में इसकी सुरसुरी दिखी। ऐसे आंदोलनों का असर बाद में पता चलता है। जब विरोध की वैचारिकी के असर में जमीनी स्तर की सोच बदलने लगती है। एक राष्ट्रीयकृत बैंक की स्थानीय शाखा के प्रबंधक से जबरदस्ती हिंदी बोलने के लिए हुज्जत करने का दृश्य हो या फिर किसी ऑटोवाले का किसी हिंदीभाषी लड़की को थप्पड़ मारना, कर्नाटक में हिंदी विरोधी आंदोलन की जमीनी परिणति ही कहा जाएगा।

निजाम का शासन कर्नाटक के उत्तरी हिस्से में रहा। दिल्ली सल्तनत के बादशाह मोहम्मद तुगलक ने 1327 ईस्वी में दिल्ली से महाराष्ट्र के दौलताबाद में अपनी राजधानी लेकर गया था। जिसे आज का महाराष्ट्र देवगिरि के नाम से जानता है। उसके साथ भी हिंदी वहां तक पहुंची थी। महाराष्ट्र का विदर्भ इलाका राज्य पुनर्गठन से पहले मध्य प्रांत और बरार का हिस्सा रहा। इस वजह से विदर्भ भी मोटे तौर पर हिंदी के प्रभाव वाला राज्य है।

शायद यही वजह रहा कि महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विवाद नहीं रहा। विवाद की वजह अब मनसे और शिवसेना की राजनीति बनी है। इसका कारण नई शिक्षा नीति का वह प्रावधान है, जिसके तहत प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषायों के जरिए शिक्षा देने का प्रावधान है। इसके तहत जब प्राथमिक स्तर पर हिंदी में पढ़ाई कराने का आदेश आया तो राज्य की राजनीति में अपनी जगह खोज रहे शिवसेना–उद्धव और मनसे को हिंदी विरोध में ही अपना भविष्य नजर आया। एकनाथ शिंदे के अलग होने के बाद से शिवसेना–उद्धव भी परेशान है और शिवसेना से अलग होने के बाद से मनसे प्रमुख राज ठाकरे अपना राजनीतिक वजूद की खोज में हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर
संपादकीय

पंजाबी अखबारों की राय : पंजाब में तेजी से बिगड़ रही कानून-व्यवस्था

जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है - आजकल पूरे राज्य में लूटपाट का बोलबाला है। अबोहर की घटना के बाद सरकार एक बार फिर विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। विपक्ष खासकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विशेष बहस की मांग की है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पंजाब में तेजी से बिगड़ती कानून–व्यवस्था, महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे का गठबंधन और बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और उस पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है।

सूबे की कानून व्यवस्था पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून अपने संपादकीय श्पंजाब में बढ़ता अपराधश् में लिखता है– अबोहर के व्यापारी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हत्या और मोगा के एक क्लीनिक में अभिनेत्री तानिया के पिता की गोली मारकर हत्या ने एक तरह से यह उजागर कर दिया है कि किस तरह संगठित अपराध राज्य में आपराधिक गतिविधियों को आसानी से अंजाम दे रहा है। अखबार लिखता है शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी, नशे की लत व जल्दी पैसे कमाने का लालच कई पंजाबी युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है। सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार और गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। पंजाब में आपराधिक–आतंकवादी गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रहा; यह अंतर्राष्ट्रीय, तकनीकी रूप से सक्षम और वैचारिक रूप से अस्थिर हो गया है। यह संकट जितना लंबा चलेगा, पंजाब के भविष्य को पटरी पर लाना उतना ही मुश्किल होता जाएगा।

जालंधर से प्रकाशित श्पंजाबी जागरणश लिखता है– पंजाब पिछले कुछ समय से आपराधिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के कारण सुर्खियों में है। अबोहर में हुई एक घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक समूह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के ज़रिए इस घटना की जिम्मेदारी ली है। ऐसा नहीं है कि राज्य में इस तरह की यह पहली घटना है। यह घटना आम बात है। अबोहर की घटना ने पंजाब में जबरन वसूली के बढ़ते मामलों पर भी प्रकाश डाला है।

जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता हैरू आजकल पूरे राज्य में लूटपाट का बोलबाला है। अबोहर की घटना के बाद सरकार एक बार फिर विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। विपक्ष खासकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विशेष बहस की मांग की है।

जालंधर से प्रकाशित रोजाना पंजाब टाइम्स लिखता हैरू वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में जबरन वसूली और धमकियों से जुड़े मामलों में वृद्धि देखी गई है।

पंजाब पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जून 2022 से फरवरी 2023 तक जबरन वसूली और धमकी के 278 मामले दर्ज किए गए, जो मार्च 2023 से दिसंबर 2023 तक बढ़कर 307 हो गए। यह वृद्धि समाज और पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है।

अखबार लिखता है, सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने संगठित अपराध की गंभीरता को उजागर किया, लेकिन इसके ख़िलाफ़ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। जबरन वसूली की घटनाओं ने पंजाब के व्यापारियों और छोटे उद्योगपतियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है।

कई व्यापारी और कलाकार धमकियों के कारण अपना व्यवसाय या पेशा छोड़ने की सोच रहे हैं। इसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन लिखता है, इस साल अब तक चंडीगढ़ में हत्या के 15 मामले दर्ज किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि तेजी से हो रहे शहरीकरण, अन्य कारकों के साथ–साथ उत्तर प्रदेश और बिहार से पंजाब और चंडीगढ़ की ओर युवा पीढ़ी के बढ़ते पलायन के कारण भी गंभीर और घातक अपराधों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है।

जिन व्यवसायों में स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता है, उनमें बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांगें राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उठने लगी हैं। पंजाब और चंडीगढ़ को भी अब इस दिशा में कुछ सार्थक कदम उठाने की ज़रूरत है।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों पर चंडीगढ़ से प्रकाशित श्पंजाबी ट्रिब्यूनश लिखता है– सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को जारी रखने की अनुमति दे दी है, लेकिन साथ ही उसने चुनाव आयोग से एक बहुत ही प्रासंगिक प्रश्न पूछा हैरू अभी क्यों? अदालत ने यह बिल्कुल सही बात कही है कि विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इस तरह की कवायद से लोगों के मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि इस प्रक्रिया में आधार कार्ड पर विचार क्यों नहीं किया जा रहा है। उसका मानना है कि चुनाव अधिकारियों को आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर विचार करना चाहिए। चंडीगढ़ से प्रकाशित देशसेवक लिखता है– छोटी–मोटी बाधाओं के बावजूद, चुनाव आयोग ने न केवल देश में, बल्कि दुनिया में भी सम्मान अर्जित किया है। बिहार चुनावों में चुनाव आयोग के सामने अपनी ईमानदारी बचाने की चुनौती है।

जालंधर से प्रकाशित श्जग दी आवाजश लिखता हैरू बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा अपना रहे हैं। बिहार में कानून–व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। रसूखदारों और कारोबारियों की हत्याओं की घटनाओं ने राज्य सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है।

युवा बेरोजगार हैं और आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे में नीतीश कुमार ने भी अन्य राजनेताओं की तरह चुनाव के दौरान जनता को लुभाने के लिए बड़े–बड़े ऐलान किए हैं।

अखबार आगे लिखता है, बिहार सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत के लिए चुना गया समय उसकी ईमानदारी पर सवाल उठा रहा है।

अगर सरकार वाकई लोगों की समस्याओं के प्रति गंभीर और सजग होती, तो ये घोषणाएं एक–दो साल पहले ही की जा सकती थीं।

यह तो समय ही बताएगा कि सरकार के अंतिम दिनों में मतदाताओं को लुभाने के लिए की गई घोषणाएं कारगर साबित होती हैं या नहीं।

महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर जालंधर से प्रकाशित श्जग दी आवाजश लिखता है– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने के फैसले ने दोनों चचेरे भाइयों, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को करीब आने का अवसर दिया। ऐसा लगता है मानो दोनों नेता साथ आने के मौके का इंतज़ार कर रहे थे।

फिलहाल, ये दोनों पार्टियां अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ठाकरे भाइयों का तात्कालिक लक्ष्य प्रतिष्ठित मुंबई नगर निगम में पैर जमाना है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति और विपक्षी एमवीए दोनों ही आंतरिक मतभेदों से घिरे हुए हैं।

राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर, आगामी समय में महाराष्ट्र की राजनीति में और अधिक उतार–चढ़ाव देखने को मिलेंगे और उनका प्रदर्शन राजनीति में उनका भविष्य भी तय करेगा। इसके अलावा एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या ये दोनों स्थानीय चुनाव अकेले लड़ेंगे या एमवीए के सहयोगी कांग्रेस और शरद पवार के साथ मिलकर लड़ेंगे।

चंडीगढ़ से प्रकाशित श्पंजाबी ट्रिब्यूनश लिखता हैरू शिवसेना के एक धड़े के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा हताशा में अपनाया गया यह अंतिम उपाय है। शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के बेटे उद्धव और भतीजे राज ठाकरे अपनी राजनीतिक किस्मत चमकाने के लिए श्मराठी मानुषश कार्ड पर भरोसा कर रहे हैं।

वे भाजपा पर किसी न किसी बहाने महाराष्ट्र के लोगों को बांटने का आरोप लगा रहे हैं; हालांकि, उनकी लड़ाई केवल भगवा पार्टी के खिलाफ ही नहीं है, बल्कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली श्आधिकारिकश शिवसेना के खिलाफ भी है। ठाकरे बंधुओं के पुनर्मिलन का मतलब है कि शिंदे अब मराठी वोट को हल्के में नहीं ले सकते।

–डॉ. आशीष वशिष्ठ (स्वतंत्र पत्रकार)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारतीय अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की वापसी एक विजयी घर वापसी से कहीं बढ़कर है‚ यह भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं की कहानी में एक साहसिक विराम चिह्न है। चार दशक से भी पहले अपने पहले मानव को अंतरिक्ष में भेजने वाले देश के लिए, यह नवीनतम मिशन एक नए अध्याय का संकेत देता हैरू उधार की सीटों और प्रतीकात्मक इशारों का नहीं, बल्कि क्षमता निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और मानव अंतरिक्ष उड़ान के भविष्य में गहन निवेश का। चार सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय टीम के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के बाद, ग्रुप कैप्टन शुक्ला की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से 22 घंटे की वापसी यात्रा ने भारत की अब तक की सबसे सार्थक मानवयुक्त अंतरिक्ष भागीदारी को पूरा किया। यह केवल एक यात्रा नहीं थी। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा समर्थित और भारत द्वारा डिज़ाइन किए गए सात प्रयोगों को शामिल करते हुए, यह मिशन उन कौशलों, प्रणालियों और वैज्ञानिक कौशल का एक जीवंत परीक्षण स्थल था जो 2027 में निर्धारित गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण होंगे। फिर भी तकनीकी महत्व से परे प्रतीकात्मक मूल्य निहित है। कक्षा से ग्रुप कैप्टन शुक्ला के बयान अंतरिक्ष में बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाते हैं। आज के भारत को ष्महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वासी और गर्वितष् कहकर, उन्होंने वह व्यक्त किया जो कई भारतीय महसूस करते हैं लेकिन विश्व मंच पर शायद ही कभी इतनी स्पष्टता से परिलक्षित होते देखते हैं। अंतरिक्ष ने हमेशा प्रतिष्ठा का वादा किया है, लेकिन अब इसे उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। आईएसएस पर उनकी उपस्थिति केवल राष्ट्रीय गौरव के बारे में नहीं थी‚ यह तकनीकी रूप से उन्नत देशों की श्रेणी में भारत के स्थान की पुनः पुष्टि भी थी। ऐसे युग में जहां अंतरिक्ष अगला रणनी. तिक मोर्चा बन रहा है, भारत की भागीदारी समान हिस्सेदारी और गंभीर इरादे के एक शांत दावे का संकेत देती है। इस मिशन को संभव बनाने वाला 500 करोड़ रुपये का निवेश एक औपचारिक खर्च नहीं था। ये किसी भी विश्वसनीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की आधारशिला हैं‚ और इसरो का एक व्यावसायिक चौनल के माध्यम से प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का निर्णय तीव्र शिक्षा के लिए एक व्यावहारिक रणनीति है। महत्वपूर्ण रूप से, यह मिशन पारंपरिक रूप से राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रभुत्व वाले क्षेत्र में सार्वजनिक–निजी भागीदारी के महत्व को भी रेखांकित करता है। वैश्विक खिलाड़ियों के साथ सहयोग‚ चाहे प्रशिक्षण, प्रक्षेपण सेवाओं, या ऑन–बोर्ड प्रयोगों के रूप में‚ एक बदलते अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाता है जिसमें भारत को एक ग्राहक के रूप में नहीं, बल्कि एक हितधारक के रूप में शामिल होना चाहिए। गगनयान मिशन और 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक एक चंद्र मिशन के लिए भारत की योजनाएं तेजी से ऐसे एकीकृत दृष्टिकोणों पर निर्भर करेंगी। इस मिशन ने पहले ही कुछ उल्लेखनीय हासिल कर लिया हैरू इसने सार्वजनिक कल्पना को फिर से प्रज्वलित कर दिया है इस यात्रा से प्राप्त अनुभव और गति को अब मज़बूत बुनियादी ढाँचे के निर्माण, अगली पीढ़ी के अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण और अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की वैश्विक भूमिका का विस्तार करने में लगाया जाना चाहिए। जैसा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से प्रस्थान करने से पहले कहा था, यात्रा अभी शुरू ही हुई है। और भारत के लिए, तारे अब प्रतीकात्मक नहीं रहे‚ रणनीतिक रहे हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

डॉ शरद मिश्रा को पीसीडब्ल्यूजे में प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी

सबका जम्मू कश्मीर

भोपाल/मध्यप्रदेश। लंबे समय के इंतजार के बाद प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (च्ब्श्र) की मध्यप्रदेश इकाई को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। संगठन की ओर से इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ शरद मिश्रा को प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सैयद खालिद कैस ने संगठन की सहमति से यह नियुक्ति की है और आगामी आदेश तक डॉ मिश्रा इस पद का दायित्व निभाएंगे। उनकी नियुक्ति का आदेश पत्र राष्ट्रीय महासचिव शशि दीप द्वारा गुरुवार को जारी किया गया, जिसमें डॉ मिश्रा पर पूर्ण विश्वास जताते हुए उम्मीद की गई है कि वे पत्रकार हितों के संरक्षण और संगठन के विस्तार

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

डॉ शरद मिश्रा की नियुक्ति पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं पत्रकार साथियों ने उन्हें बधाई दी है। बधाई देने वालों में रिजवान अली, डिजिटल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुनील योगी, इंदौर संभाग अध्यक्ष अल्ताफ, शाजापुर जिला अध्यक्ष हफिज शाह, बैतूल जिला अध्यक्ष इरशाद खान, धार जिला अध्यक्ष राजेंद्र देवड़ा, प्रदेश सचिव डी. एल. चौहान, मनोज जोशी, अरविंद ठाकुर, राजा अजमेरा सहित कई अन्य पदाधिकारी शामिल हैं।

सभी ने एक स्वर में डॉ मिश्रा को बधाई देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ खालिद कैस और महासचिव शशि दीप का आभार व्यक्त किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में डॉ मिश्रा का लंबा अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण उनकी इस नियुक्ति को सार्थक सिद्ध करेगा दृ ऐसी संगठन से जुड़ी सभी लोगों को उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा दिया जाए रू मंत्री जावेद राणा की केंद्र से दो-टूक मांग

सबका जम्मू कश्मीर (इरफान गनी भट)

श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर सरकार में कैबिनेट मंत्री और प्रमुख जनजातीय नेता जावेद अहमद राणा ने केंद्र सरकार से मांग की है कि आगामी संसद सत्र में जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि केंद्र ने जो वादे किए थे, अब उन्हें निभाने का समय आ गया है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री राणा ने कहा कि ष्परिस.ीमन और चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, ऐसे में अब जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा देना केंद्र की जिम्मेदारी बनती है।ष उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद, सुप्रीम कोर्ट और देश की जनता के सामने दिए गए आश्वासनों की याद दिलाते हुए कहा कि अब उन्हें हकीकत में बदलने का वक्त आ गया है।

राणा ने जोर देकर कहा कि जम्मू–कश्मीर की खोई हुई गरिमा को बहाल करना बेहद जरूरी है, ताकि यहां विकास, समृद्धि और लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का दर्जा वापस देने से संघीय ढांचे को भी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने इस मुद्दे पर समर्थन देने के लिए कांग्रेस नेतृत्व का आभार जताया और कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करना सभी राजनीतिक दलों की साझी जिम्मेदारी है।

गुज्जर–बकरवाल जनजाति से संबंध रखने वाले जावेद राणा ने यह भी कहा कि आज जब जम्मू–कश्मीर की जनता राज्य के दर्जे की बहाली को लेकर आशा लगाए बैठी है, तब केंद्र को तेजी से फैसला लेना चाहिए।

उन्होंने केंद्र को आगाह करते हुए कहा कि ष्यह सिर्फ राजनीतिक मांग नहीं, बल्कि जनता की लोकतांत्रिक और संवैधानिक आकांक्षाओं का सवाल है, जिसे अब और टाला नहीं जाना चाहिए।ष

बांदीपोरा में एनसी नेताओं के शामिल होने से कश्मीर में एसबीएसपी ने बढ़ाया विस्तार

सबका जम्मू कश्मीर

बांदीपोरा : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) को उस समय बड़ी मजबूती मिली जब आज बांदीपोरा में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के कई प्रमुख नेताओं ने एसबीएसपी का दामन थाम लिया। यह कदम उत्तर कश्मीर में पार्टी की बढ़ती उपस्थिति के लिहाज़ से एक अहम मील का पत्थर माना जा रहा है।

एनसी छोड़कर एसबीएसपी में शामिल होने वालों में मोहम्मद शफी नाजर (एनसी वार्ड सचिव और हल्का अध्यक्ष सुमलार), गुलाम नबी लोन (एनसी डेलीगेट अध्यक्ष सुमलार), वरिष्ठ कार्यकर्ता मंगतुल्लाह खान और डोडा खान शामिल हैं। यह कार्यक्रम एसबीएसपी के ज़िला अध्यक्ष बांदीपोरा बशीर अहमद बुहरू, उत्तर कश्मीर प्रभारी वजाहत रैना और नजीर खान की मौजूदगी में आयोजित किया गया।

पार्टी में शामिल होने वाले इन नए नेताओं का एसबीएसपी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया और इस कदम को बांदीपोरा ज़िले में पार्टी के जमीनी ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक पहल बताया।

इस अवसर पर एसबीएसपी के प्रदेश अध्यक्ष विवेक बाली ने खुशी जताते हुए कहा, "मुझे इस बात की खुशी है कि विभिन्न राजनीतिक पृष्ठभूमियों से आए नेता एसबीएसपी पर विश्वास जता रहे हैं। आज एनसी नेताओं का एसबीएसपी में शामिल होना हमारी यह प्रतिबद्धता और मजबूत करता है कि हम जम्मू–कश्मीर, विशेषकर बांदीपोरा में जमीनी स्तर पर सशक्त नेटवर्क तैयार करें।"

इसके साथ ही पार्टी ने कुछ अहम नियुक्तियों की भी घोषणा की :

नजीर खान : जिला अध्यक्ष (जनजातीय, बांद.ीपोरा), अबूज़र नजीर दृ युवा जिला अध्यक्ष, बांद.ीपोरा मीर इमामुल हक़ : युवा उपाध्यक्ष, बांदीपा.ेरा,फैज़ान मजीद भट – युवा मुख्य महासचिव, बांदीपोरा,मोहम्मद तौफीक भट दृ संगठन सचिव, बांदीपोरा, आबिद हुसैन : मीडिया प्रभारी, बांदीपा.ेरा

एनसी नेताओं का एसबीएसपी में शामिल होना आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कश्मीर घाटी में पार्टी की रणनीतिक विस्तार योजना का हिस्सा माना जा रहा है।

सीएम मोहन यादव की दुबई और स्पेन यात्रा के क्या हैं मायने, एमपी को क्या मिलेगा? विस्तार से समझें

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह दौरा मध्य प्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है. दुबई और स्पेन जैसे प्रमुख व्यापारिक और औद्योगिक केंद्रों में उद्योग.पतियों और व्यापारिक संगठनों के साथ बैठकें निवेश के नए अवसर तलाशने का प्रयास हैं.

दुबई मध्य पूर्व का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है, और स्पेन अपनी डिजाइन, ऑटोमोबाइल, और टिकाऊ प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है. इन क्षेत्रों में सहयोग से मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिल सकती है.

अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करना

यह यात्रा न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन के क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश की वैश्विक छवि को मजबूत करने का प्रयास है. मुख्यमंत्री की बैठकों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी, जो दीर्घकालिक साझेदारियों को बढ़ावा देगी.

रोजगार सृजन और आर्थिक समृद्धि

यात्रा का एक प्रमुख लक्ष्य मध्य प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाना है. निवेश प्रस्तावों के माध्यम से नए उद्योगों की स्थापना से हजारों युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है.

उदाहरण के लिए, हाल ही में लुधियाना में आयोजित एक सत्र में ध15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 20,275 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है.

पिछले वर्ष यूके और जर्मनी की यात्रा से मध्य प्रदेश को ध75,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे.

इस सफलता को देखते हुए यह यात्रा भी निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है.

आर्य समाज मंदिर कठुआ में 21 जुलाई से शुरू होगा अमृतकथा कार्यक्रम

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, सावन मास के पावन अवसर पर आर्य समाज मंदिर कठुआ में 21 जुलाई से लेकर 14 अगस्त तक प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी अमृतकथा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पत्रकार माता के दौरान विष्णु भारती ने जानक.ारी देते हुए बताया की यह धार्मिक आयोजन पिछले 27 वर्षों से आस्था और उत्साह के साथ होता आ रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में बहन–बेटियाँ हिस्सा लेकर आत्मिक उन्नति और सुखद जीवन की राह चुनती हैं।

मिशन भारती ने आगे जानकारी देते बताया कि कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 5रू30 बजे तक आयोजित होगा। इसमें समाज की जानी–मानी महिला वक्ता धार्मिक, नैतिक और सामाजिक विषयों पर प्रेरणादायक प्रवचन देंगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुश्री गायत्री देवी,

पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी देते आर्य समाज मंदिर के सदस्य

आचार्य आर्यराज, डॉ. प्रतिमा पब्लिक, श्रीमती सुमुखी (संचालिका दृ ईशा कन्या वेद विद्यालय, बड़ौ) और डॉ. नरेश ब्रह्मा शामिल रहेंगे।

आर्य समाज कठुआ की ओर से क्षेत्र की सभी बहन–बेटियों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अमृतमयी सत्संग में भाग लें और धर्म, ज्ञान और आत्मकल्याण की दिशा में कदम बढ़ाएं।

इस कार्यक्रम का संचालन विशन भारती (प्रधान) और आर्य समाज कठुआ की कार्यकारिणी समिति द्वारा किया गया ।

पीएचसी डिंगा अंब में बनेगा नया स्वास्थ्य केंद्र, विधायक जसरोटिया ने रखी 40 लाख की बीपीएचयूकी आधारशिला

विधायक राजीव जसरोटिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डिंगा अंब में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की आधारशिला रखते, आधारशिला रखने से पहले रिबन काटते जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया

सबका जम्मू कश्मीर

डिंगा अंब/जसरोटा, जिला कठुआ के डिंगा अंब क्षेत्र में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है।

जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) डिंगा अंब में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) की आधारशिला रखी। यह यूनिट करीब 40 लाख रुपये की लागत से बनाई जाएगी।

इस मौके पर सीएमओ कठुआ, बीएमओ हीरानगर और तहसीलदार डिंगा अंब भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक जसरोटिया ने बताया कि इस यूनिट के बनने से स्थानीय लोगों को जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पास में ही मिल सकेंगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में 4.8 कनाल जमीन की पहचान की गई और उसे आधिकारिक रूप से इस परियोजना के लिए ट्रांसफर किया गया है।

विधायक ने कहा, ष्यह यूनिट हमारे क्षेत्र के लोगा.ें के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगी। मैं सीएमओ कठुआ, बीएमओ हीरानगर और तहसीलदार डिंगा अंब का धन्यवाद करता हूं, जिनके सहयोग से यह परियोजना शुरू हो पाई है।ष

उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस हेल्थ यूनिट के बनने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और बेहतर सेवाएं मिलेंगी। यह सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और मजबूत कदम है।

कार्यक्रम के अंत में विधायक ने कहा कि सरकार लोगों की सेहत को लेकर पूरी तरह गंभीर है और ऐसे प्रोजेक्ट्स से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।

हुई जो भारी चूक, हो इंसाफ दो टूक चूक की मांग, इंसाफ हो दो टूक

सबका जम्मू कश्मीर

लैफ्टिनेंट गवर्नर जम्मू–कश्मीर मनोज सिन्हा ने पहलगाम (जम्मू–कश्मीर) त्रासदी के 85 दिन बाद यह स्वीकार किया कि "यह मुझसे सुरक्षा की भारी चूक हुई है, मैं माफ़ी मांगता हूं, पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, लेकिन कुर्सी नहीं छोड़ता।"

जब 27 बेगुनाह इंसानों का बेदर्दी से कत्लेआम हुआ, तो सिर्फ एक बयान मिला दृ "भारी चूक हो गई।"

इन लोगों के अपने सैंकड़ों लाडलों का भविष्य उजड़ गया। भारत में इंसानियत तक रो पड़ी।

लेकिन जम्मू–कश्मीर की जनता, खासकर पहलगाम के घोड़ेवालों ने इंसानियत की मिसाल कायम की। दानिश अली ने तो पर्यटकों की रक्षा करते हुए अपनी जान तक कुर्बान कर दी। पूरी कश्मीर घाटी मोमबत्तियों के साथ सड़कों पर उतर आई। लोगों ने अपने घर, शिकारे, टैक्सियाँ, लोड कैरियर्स तक पर्यटकों की मदद में लगा दिए ताकि वे सुरक्षित स्थानों पर पहुँच सकें।

जनता ने यह जता दिया कि न तो कश्मीरी लोगों की कोई गलती थी, न देशभर से आए पर्यटकों की।

देश भर में एक ही संदेश गया कृ कश्मीरी लोग अच्छे हैं, उनका कोई कसूर नहीं।

लेकिन त्रासदी के बाद देश में जंग का डर गहराया, और खासकर जम्मू–कश्मीर की जनता को जंग का तांडव झेलना पड़ा। मिसाइलें, तोपों के गोले, ड्रोन हमले कृ सबका निशाना बने स्कूल, मस्जिदें, मंदिर, घर और इंसान। तलाशी, बंदिशें, अपमान कृ महिलाओं समेत सबने सहे।

एक भारी चूक... पर कुर्सी अटल रही।

85 दिन बाद मनोज सिन्हा ने माना कि पहलगाम में सुरक्षा में चूक हुई थी, और जिम्मेदारी ली कृ लेकिन नतीजा क्या निकला? जवाब में "सिंदूर" नाम की सैन्य योजना बनी और उस पर अमल हुआ। जंग का ऐलान हुआ, ताकि दुश्मन को भारतीय ताकत का एहसास हो। इसके बाद पाकिस्तान ने युद्धविराम की बात की, और भारत ने उसे स्वीकार भी किया।

डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने ही ट्रेड डील के बहाने युद्ध रुकवाया कृ चाहे जो भी कहा गया हो, जंग कोई समाधान नहीं, जंग खुद एक समस्या है।

आज की लड़ाइयाँ आमने–सामने की नहीं रहीं। अब यह ड्रोन, मिसाइल और विमानों की जंग है।

भारत के सीडीएस ने भी माना है कि आज की लड़ाई पारंपरिक हथियारों से नहीं लड़ी जा सकती।

जम्मू–कश्मीर की जनता ने "सिंदूर" हमले में देखा कि सीमा पर कम, लेकिन शहरों दृ जम्मू, राजौरी, पुंछ दृ में ज़्यादा नुकसान हुआ। आम लोगों की जानें गईं, घर उजड़े।

हमने यह सच्चाई खुद मनोज सिन्हा को श्रीनगर स्थित उनके दफ्तर में प्रतिनिधिमंडल के रूप में जाकर बताई। उनसे यह भी कहा कि अभी भी चूकें हो रही हैं। शांति और संवाद ही स्थायी समाधान हैं।

आज की दुनिया अंतरनिर्भरता, सहभागिता, सह–अस्तित्व और विविधता में एकता की राह पर चल रही है।

हमें भी वही रास्ता अपनाना होगा –
न कोई चूक हो,
न कोई जंग हो,
न हथियार बने,
न एटम बने,
न मिसाइल बने।

आज प्रकृति और मानवता को बचाना ही सबसे बड़ा धर्म और दर्शन है।

उर्दू हमारी पहचान और प्रशासन की रीढ़ : एआईपी ने नायब तहसीलदार भर्ती में उर्दू को अनिवार्य बनाए रखने की उठाई मांग

सबका जम्मू कश्मीर (इरफान गनी भट)

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर में नायब तहसीलदार पदों के लिए उर्दू को अनिवार्य योग्यता से हटाने की संभावनाओं के बीच आवामी इत्तिहाद पार्टी (एआईपी) ने सरकार को दो टूक चेतावनी दी है। पार्टी ने साफ कहा है कि उर्दू सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि जम्मू–कश्मीर की प्रशासनिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान है, जिसे दरकिनार करना किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एआईपी के मुख्य प्रवक्ता इनाम उन नबी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, "डोगरा शासनकाल से लेकर आज तक उर्दू इस प्रदेश की राजक.ाज की भाषा रही है। राजस्व रिकॉर्ड से लेकर अदालती फैसलों तक, हर जगह उर्दू का इस्तेमाल होता आया है। ऐसे में इसे नायब तहसीलदार की पात्रता सूची से हटाना न सिर्फ प्रशासनिक भूल होगी, बल्कि हमारी विरासत पर सीधा हमला होगा।"

उन्होंने दो टूक कहा कि यह केवल भाषा का सवाल नहीं, बल्कि प्रभावी प्रशासन और जनता से बेहतर संवाद की ज़रूरत है। "नायब तहसीलदार आम लोगों से रोजाना संवाद करते हैं। अगर उन्हें उर्दू नहीं आती तो वे लोगों की समस्याएं कैसे समझेंगे?"

इनाम ने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि उर्दू सातवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त भाषा है और जम्मू–कश्मीर में 1947 से पहले और बाद में भी यह सरकारी कामकाज की प्रमुख भाषा रही है।

उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में कैट (केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण) के हस्तक्षेप पर भी नाराज़गी जताई और कहा कि यह फैसला पूरी तरह अन्यायपूर्ण और राजनीतिक मंशा से प्रेरित लगता है।

"समावेशिता के नाम पर उर्दू को निशाना बनाना बंद हो। यह हमारी मातृभाषा है, हमारी प्रशासनिक रीढ़ है। इसे हटाना न जनता के हित में है, न शासन के।ष

एआईपी ने उपराज्यपाल प्रशासन और जम्मू–कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (श्रझैठ) से मांग की है कि वे उर्दू की संवैधानिक और प्रशासनिक प्रासंगि.कता को कायम रखें और भर्ती प्रक्रिया में इसे अनिवार्य बनाए रखें।

इनाम ने दोहराया दृ "उर्दू कोई रुकावट नहीं, बल्कि यह हमारी पहचान, संस्कृति और कुशल शासन की मूलभूत भाषा है। इसे हटाना किसी भी सूरत में मंजूर नहीं।"

राष्ट्रीय अधिवेशन में सुनील योगी को मिलेगा पत्रकार शिरोमणि सम्मान

सबका जम्मू कश्मीर

मुंबई, प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स का राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 23 अगस्त को मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इस अधिवेशन में देशभर से पत्रकारिता क्षेत्र के ख्यातिप्राप्त पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा।

सम्मान पाने वालों में मध्यप्रदेश डिजिटल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुनील योगी का नाम भी शामिल है। उन्हें श्पत्रकार शिरोमणि पुरस्कारश से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान देशभर से आमंत्रित अतिविशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में प्रदान किया जाएगा।

सुनील योगी के इस सम्मान की घोषणा होते ही पत्रकार साथियों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने

उन्हें बधाई देते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. खालिद कैस और राष्ट्रीय महासचिव शशि दीप के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुंबई में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से 100 से अधिक पत्रकार भाग लेंगे। यह आयोजन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के इतिहास में एक यादगार और प्रेरणादायी अवसर के रूप में दर्ज होने जा रहा है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

बजुह नदी पर संकट गहराया, सफाई की मांग को लेकर भड़का जनआक्रोश

कस्बे में प्रवेश करते समय दिखती है ऐसी तस्वीर जल स्रोत भी हो रहा है खत्म | स्थानीय म्यूनिसिपल कमेटी की मेहरबानी से बजुह नदी मे फैली गंदगी | स्थानीय युवा अपनी राय देते

नगरी की सांस्कृतिक पहचान बजुह नदी बनी गंदगी का शिक.ार, प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग

बजुह नदी बचाओ आंदोलन को मिल रहा जनसमर्थन, युवाओं ने उठाई स्वच्छता की मांग

नगरी की पवित्र नदी बजुह को बचाने की मुहिम तेज, नगर परिषद पर लापरवाही के आरोप

बजुह नदी बनी गंदगी का अड्डा, म्युनिसिपल कमेटी पर लगे गंभीर सवाल

राज कुमार

नगरी, कठुआ : कठुआ जिले के नगरी कस्बे में बहने वाली ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण बजुह नदी को बचाने के लिए शुरू हुआ जन अभियान अब आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

आंदोलन को मिल रहा व्यापक समर्थन

'बजुह नदी बचाओ' अभियान को हर उम्र और वर्ग से समर्थन मिल रहा है।

महिलाएं, बुजुर्ग और युवा लगातार जागरूकता फैला रहे हैं और सोशल मीडिया पर भी इस मुहिम को मजबूती मिल रही है।

युवाओं में बढ़ रहा गुस्सा

सनी, रिंकू और दिप्पू जैसे युवाओं ने साफ शब्दों में कहा कि एक ओर देश के प्रधानमंत्री और जिला प्रशासन जल स्रोतों को बचाने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर नगरी म्युनिसिपल कमेटी की गाड़ियां रोजाना बजुह नदी में गंदगी डाल रही हैं।

इन युवाओं ने कहा :

झ "हम जिला प्रशासन, माननीय गवर्नर और प्रधानमंत्री से निवेदन करते हैं कि नगरी कस्बे की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक बजुह नदी को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। यह नदी ऐसे ही गंदगी में तब्दील होती रही, तो जल्द ही यह सिर्फ नक्शे और यादों में रह जाएगी।"

जनता से अपील : लोकल अर्बन बॉडी भी ले जिम्मेदारी

स्थानीय लोगों ने लोकल अर्बन बॉडी डायरेक्टर से अपील की है कि वह इस नदी को बचाने के लिए सामने आएं और जनता के साथ मिलकर काम करें। लोगों ने कहा कि बोर्डों पर लिखे गए स्लोगन जैसे जल स्रोतों को बचाएं और अपने क्षेत्र को स्वच्छ रखें, तभी सार्थक होंगे जब जमीनी स्तर पर कार्रवाई होगी।

ऐतिहासिक बजुह नदी बचाओ अभियान को लेकर जनता में बढ़ रहा आक्रोश, प्रशासन की दोहरी नीति पर उठे सवाल

बजहु नदी बचाओ अभियान को मिल रहा समर्थन, युवाओं ने जिला प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग

बजुह नदी की पुकार – स्वच्छता नहीं तो संघर्ष तय!

ऐतिहासिक बजहु नदी बचाओ अभियान को लेकर जनता में बढ़ रहा आक्रोश, स्वच्छता को लेकर उठी कड़ी मांग

कस्बा नगरी की ऐतिहासिक बजुह नदी में स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी द्वारा फलाई गई गंदगी | बजुह नदी का गन्दा पानी जिसे स्थानीय लोग वर्षों इस्तेमाल करते रहें | स्थानीय युवा कस्बा नगरी की ऐतिहासिक बजुह नदी में फैली गंदगी को लेकर अपना रोष प्रकट करते

राज कुमार

नगरी/कठुआरू नगरी कस्बे की ऐतिहा.सिक पहचान रही बजहु नदी को लेकर चलाए जा रहे षबजहु नदी बचाओ अभियानष को जहां एक ओर आम जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक उदासीनता को लेकर लोगों में आक्रोश भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से सबका जम्मू कश्मीर समाचार पत्र में लगातार इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद स्थानीय लोग एकजुट होकर इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने में जुट गए हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बजहु नदी नगरी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान रही है, जिसके पानी को कभी लोग पीते थे और उसमें स्नान करते थे। लेकिन आज यह नदी प्रशासनिक उपेक्षा और नगर परिषद की अनदेखी के चलते गंदगी और प्रदूषण का अड्डा बन चुकी है। नगर परिषद नगरी द्वारा वर्षों से शहर की गंदगी को बजहु नदी के किनारे फेंका जा रहा है, जिससे यहां कूड़े के बड़े–बड़े ढेर जमा हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरा.प है कि नगर परिषद द्वारा न तो कूड़े के उचित निपटान की व्यवस्था की गई है और न ही नदी की सफाई के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। इतना ही नहीं, आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से भी रासायनिक युक्त गंदा पानी इस नदी में बहाया जा रहा है, जिससे नदी का जल पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है।

इस संदर्भ में राजन शर्मा , सरदार कुल.विंद्र सिंह सहित अन्य समाजसेवियों व युवाओं ने प्रशासन से मांग की है कि बजहु नदी की सफाई और संरक्षण को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि शहर और गांवों का कूड़ा निर्धारित बेसमेंट में फेंका जाए ताकि नदी के किनारों को गंदगी से मुक्त किया जा सके। स्थानीय युवाओं ने इस अभियान को आगे बढ़ाने की कसम खाई है और जनजागरूकता अभियान चलाने की भी योजना बनाई है। उनका कहना है कि जब तक प्रशासन ठोस कदम नहीं उठाएगा, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। लोगों को उम्मीद है कि नगर परिषद व जिला प्रशासन शीघ्र ही ठोस कार्रवाई करेगा और इस ऐतिहासिक नदी के अस्तित्व को बचाने की दिशा में गंभीर प्रयास करेगा।

नगरी म्युनिसिपल कमेटी ही बनी बजुह नदी के प्रदूषण की जिम्मेदार, पर्यावरण दिवस पर उजागर हुआ दोहरा चेहरा

दूसरों को नसीहत, खुद के फजीहत – नगरवासियों में रोष

राज कुमार

नगरी (जिला कठुआ)। गुरुवार को पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया गया, वहीं जम्मू–कश्मीर के नगरी क्षेत्र में इस दिवस ने म्युनि.सिपल कमेटी की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नगरी म्युनिसिपल कमेटी ने एक ओर पर्यावरण दिवस के मौके पर स्थानीय लोगों को स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया, तो वहीं दूसरी ओर स्वयं ही बजुह नदी जैसे ऐतिहासिक जलस्रोत को प्रदूषित करने में मुख्य भूमिका निभा रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि म्युनिसिपल कमेटी नगरी से प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरा एकत्र कर अपने माल वाहनों के माध्यम से सीधे बजुह नदी में फेंकती है। यह वही नदी है, जो वर्षों से कस्बे की जल जीवन रेखा रही है और जिसे साफ–सुथरा रखने की जिम्मेदारी भी कमेटी की ही है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया कि जब विभाग खुद पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है, तो वह लोगों को किस नैतिक आधार पर स्वच्छता का संदेश दे रहा है? कस्बे में बजुह नदी के किनारे फैली गंदगी और कचरे के ढेर म्युनिसिपल कमेटी की लापरवाही और दोहरे रवैये को उजागर करते हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा, "दूसरों को नसीहत और खुद के फजीहत, यह कहावत आज म्युनि.सिपल कमेटी पर पूरी तरह फिट बैठती है। विभाग एक तरफ जागरूकता कार्यक्रम करता है, दूसरी ओर खुद ही कचरे को नदी में डालकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है।"

पर्यावरणविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से अपील की है कि इस गंभीर लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच हो और बजुह नदी को प्रदूषित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, नगर की स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा के लिए एक स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

ऐतिहासिक नदी बजुह में कूड़े के ढेर लगाकर जलस्रोत को प्रदूषित करने व पर्यावरण को खराब करने में मुख्य भूमिका निभा रहा हैं नगरी म्युनिसिपल कमेटी

8 | शनिवार, कठुआ, जुलाई 5, 2025 — साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

जनता की एक ही मांग – बजुह नदी को बचाओ, भविष्य को बचाओ

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक. ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

नवा-ए-सुब्ह में मंत्री राणा ने सुनीं जनता की फरियादें, दिया शीघ्र समाधान का भरोसा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जल शक्ति, वन, पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने गुरुवार को नवा–ए–सुब्ह, श्रीनगर में जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान कश्मीर घाटी से आए विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों और लोगों से मुलाकात की।

जनता ने बिजली–पानी की समस्या, सड़क की खस्ता हालत सहित कई स्थानीय मुद्दे मंत्री के समक्ष रखे। राणा ने सभी समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि उमर अब्दुल्ला सरकार आम जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दूरदराज के इलाकों का विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है।

जनसुनवाई कार्यक्रम के जरिए सरकार प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को खत्म करना चाहती है।

राणा ने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहितकारी शासन की दिशा में सरकार पूरी तरह समर्पित है।

उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि उनकी हर समस्या का हल जल्द निकाला जाएगा।

दुबई में निवेशकों से वार्ता, सीएम मोहन यादव करेंगे अपना पहला अंतरराष्ट्रीय रोड-शो

नई दिल्ली

दुबई यात्रा के दौरान सीएम डॉ. मोहन यादव उस मंदिर में भी जाएंगे, जिसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी. इसके अलावा वे दुबई में पहला अंतरराष्ट्रीय रोड-शो भी करेंगे. उनकी इस यात्रा से मध्यप्रदेश में निवेश का बड़ा विस्तार हो सकता है.

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी दुबई यात्रा के दौरान राज्य में निवेश को लेकर कई जानी–मानी हस्तियों के साथ बैठकों में हिस्सा लेंगे. इन बैठकों के जरिए वे बिजनेसमैन और इंवेस्टर्स को मध्यप्रदेश की विशेषताओं से परिचित कराएंगे. वे मध्यप्रदेश और दुबई के बीच निवेश, शिक्षा, कल्चरल फ्रेंडशिप जैसे कई विषयों पर राज्य का पक्ष रखेंगे. सीएम डॉ. यादव दुबई में रह रहे भारतीयों से भी चर्चा करेंगे.

गौरतलब है कि दुबई पहुंचते ही सीएम डॉ. मोहन यादव की यात्रा की शुरुआत कई बैठकों के साथ होगी. शुरुआती बैठक में लंच के साथ–साथ अहम चर्चा होगी.

इस बैठक में रिलायंस समूह के एसआर वाईस प्रेसिडेंट फरहान अंसारी के साथ–साथ अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अल यमाही भी मौजूद होंगे. इस बैठक में मध्यप्रदेश और दुबई के बीच रणनीतिक निवेश सहयोग, शिक्षा, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम, संसदीय संवाद और कल्चरल फ्रेंडशिप जैसे विषयों पर चर्चा होगी. इसके बाद सीएम डॉ. यादव दुबई में भारतीय व्यापारी प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक करेंगे.

उसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अबूधाबी स्थित भव्य बीएपीएस हिंदू मंदिर का जाएंगे. इसकी मंदिर की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2024 में रखी थी. यह मंदिर मध्यपूर्व क्षेत्र का पहला पारंपरिक पत्थर से निर्मित हिंदू मंदिर है. यह भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आध्यात्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक समरसता का जीवंत प्रतीक है.

सोपोर और श्रीनगर से बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता एसबीएसपी में शामिल, प्रदेश अध्यक्ष विवेक बाली ने किया स्वागत

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के कई कार्यकर्ता सोपोर से और दर्जनों सामाजिक–राजनीतिक कार्यकर्ता श्रीनगर से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) में शामिल हो गए। यह बड़ी राजनीतिक हलचल श्रीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष विवेक बाली विशेष रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान एसबीएसपी प्रदेश अध्यक्ष विवेक बाली ने सभी नए सदस्यों का पार्टी में जोरदार स्वागत किया और कहा कि इन लोगों के आने से पार्टी को सोपोर और श्रीनगर में मजबूत आधार मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज का यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि लोग अब पारंपरिक पार्टियों से मोहभंग कर एसबीएसपी को विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

पत्रकारों से बातचीत में विवेक बाली ने कहा, "आज एनसी से जुड़े कार्यकर्ता और श्रीनगर के जमीनी सामाजिक कार्यकर्ता एसबीएसपी में शामिल हुए हैं, जो इस बात का प्रतीक है कि आम जनता अब बदलाव चाहती है। यह विश्वास हमारे लिए प्रेरणा है।"

उन्होंने यह भी कहा कि ये सभी कार्यकर्ता लम्बे समय से अपने–अपने इलाकों में सक्रिय रहे हैं, लेकिन उन्हें उनके हक और मंच नहीं मिले। अब एसबीएसपी उन्हें न सिर्फ सम्मान देगा, बल्कि जनसेवा के लिए खुला मंच भी प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के दौरान शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने भी एसबीएसपी नेतृत्व के प्रति भरोसा जताते हुए कहा कि वे पार्टी को मजबूत करने और लोगो की समस्याओं को आवाज देने के लिए पूरी तरह समर्पित रहेंगे।

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776

परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

सबका जम्मू कश्मीर के छठे संस्करण पर एडवोकेट सुशील गुप्ता ने दी शुभकामनाएं

निष्पक्ष और सटीक पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ है – सुशील गुप्ता

"सबका जम्मू कश्मीर" साप्ताहिक समाचार पत्र की प्रति पढ़ते संजय शर्मा जर्नल सेक्रेटरी ट्रक यूनियन कठुआ, सोना लूपा के पूर्व सरपंच मोहन लाल भोगल, एमडीओ (मशरूम विकास अधिकारी) कठुआ अशोक कुमार व एडवोकेट सुशील गुप्ता

सनी शर्मा

कठुआ। सबका जम्मू कश्मीर हिंदी साप्ताहिक समाच. ार पत्र का छठा संस्करण शनिवार को प्रकाशित होने के पश्चात् सम्पादक राज कुमार ने संजय शर्मा जर्नल सेक्रेटरी ट्रक यूनियन कठुआ, सोना लूपा के पूर्व सरपंच मोहन लाल भोगल, एमडीओ (मशरूम विकास अधिक. ारी) कठुआ अशोक कुमार व एडवोकेट सुशील गुप्ता से औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें समाचार पत्र की प्रति सादर भेंट की।

संजय शर्मा जर्नल सेक्रेटरी ट्रक यूनियन कठुआ, सोना लूपा के पूर्व सरपंच मोहन लाल भोगल, एमडीओ (मशरूम विकास अधिकारी) कठुआ अशोक कुमार व एडवोकेट सुशील गुप्ता ने समाचार पत्र की नवीनतम प्रति देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और इसके सफलतम प्रकाशन पर सम्पूर्ण टीम को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा : "निष्पक्ष और सटीक पत्रकारिता लो. कतंत्र की रीढ़ होती है। 'सबका जम्मू कश्मीर' जैसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में अत्यंत सराहनीय हैं।" सम्पादक राज कुमार ने जानकारी दी कि समाचार पत्र का उद्देश्य निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देना और जनमानस की आवाज को उचित मंच प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रयास भविष्य में और अधिक प्रभावी रूप में जारी रहेगा। गौरतलब है कि सबका जम्मू कश्मीर समाचार पत्र का रजिस्ट्रेशन होने के बाद इसकी पहली प्रति 31 मई को प्रकाशित हुई थी। इसके उपरांत 7 जून को दूसरा, फिर तीसरा, चौथा, पांचवां, और अब छठा संस्करण पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

समाचार पत्र में स्थानीय एवं क्षेत्रीय समाचारों के साथ–साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक विषयों को भी प्रमुखता दी जाती है।

मियां वाकी पद्धति से एक वृक्ष मां के नाम के दूसरे चरण का महा वृक्षारोपण अभियान का विकास खण्ड अधिकारी मनिहारी ने किया शुभारम्भ

अवनीश सिंह

गाजीपुर उत्तर प्रदेश : मनिहारी। प्रदेश सरकार के महा वृक्षारोपण अभियान के दूसरे चरण में गाजीपुर जनपद के क्षेत्र पंचायत मनिहारी ग्राम पंचायत यूसुफपुर में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पंचम सिंह (ब0 समाज सेवि मनिहारी) के सौजन्य से नव निर्मित श्मसान ग्रांउण्ड व श्री श्री टंडा वीरद्द बाबा ष्टंडेश्वर महादेवष धाम पर मुख्य अतिथि अरविन्द सिंह यादव (विकास खण्ड अधिक. ारी) मनिहारी श्वेता चतुवेध्द्दी सुनील सिंह ग्राम पंचायत अधिकारी (।क्) सुनील सिंह (ग्राम पंचायत अधिकारी) रामनिवास सिंह

(जे0 ई0) अलका सिंह (ग्राम पंचायत सहायक) द्वारा आज मियां वाकी पद्धति महान वनस्पति शास्त्री अकीरा मियां के जापानी विधि द्वारा कम क्षेत्रफल में कम दुरी पर भिन्न भिन्न प्रकार के वनस्पति वृक्ष फलदार छायादार व फूलदार वृक्ष 2000 लगाया गया जिसमें भारी संख्या में महिलाएं व पुरुष अरविन्द कुमार सुमन्त कुमार राम राज हरेन्द्र मौर्या दिनेश भट्ट व अन्य मौजूद रहें। पंचम सिंह जी ने 7000 वृक्ष ग्राम सभा के लिए उपलब्ध कराया है जिसे ग्राम सभा में महा वृक्षारोपण हेतु सभी ग्राम वासियों से अपील की है। श्री श्री टंडा वीर बाबा ष्टंडेश्वर महादेवष मंदिर धर्मार्थद्द ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश जायसवाल ने महा वृक्षारोपण अभियान में अपना सहयोग देनें वाले सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

सरकारी जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर में गिरधारी लाल डोगरा की जयंती मनाई गई

सनी शर्मा

हीरानगर, सरकारी जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर में गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के प्रसिद्ध नेता व पूर्व वित्त मंत्री गिरधारी लाल डोगरा की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने डोगरा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की। इस अवसर पर सभी शिक्षक, छात्र प्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने फूल अर्पित कर डोगरा को श्रद्धांजलि दी। डोगरा की सादगी, ईमानदारी और जनसेवा की भावना आज भी लोगों को प्रेरणा देती है।

प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने डोगरा के राजनी. तिक, आर्थिक और शैक्षिक योगदान को याद करते हुए कहा कि वे केवल एक नेता नहीं, बल्कि सच्चे जनसेवक थे। उन्होंने बताया कि डोगरा ने दो दशकों से ज्यादा समय तक

जम्मू–कश्मीर के वित्त मंत्री के रूप में काम किया और राज्य की आर्थिक नीतियों को नई दिशा दी। कॉलेज की छात्राओं सुहानी शर्मा और नेहा देवी ने डोगरा के जीवन और योगदान पर भाषण दिए। कार्यक्रम का समापन स्टाफ और छात्रों द्वारा ईमानदारी, सादगी और समाज सेवा के मूल्यों को अपनाने की शपथ के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम का सफल संचालन स्टाफ सचिव प्रो. राकेश शर्मा ने किया।

राज्यसभा के लिए 4 दिग्गज हस्तियां मनोनीत, पीएम मोदी ने इनके योगदान को लेकर क्या-क्या बताया

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, मुंबई आतंकवादी हमलों (26/11) के मामले में विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम, इतिहासकार मीनाक्षी जैन और केरल में बीजेपी नेता सी सदानंदन मास्टर को राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर उनके योगदान की सराहना की. इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कल शनिवार देर रात जारी एक अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रपति ने इन चारों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है. मोदी ने सोशल मीडिया मंच ग पर अपने 4 अलग–अलग पोस्ट में इन चारों दिग्गजों के काम का जिक्र करते हुए सराहना की.

पीएम मोदी ने कहा, "उज्ज्वल निकम का कानूनी क्षेत्र और हमारे संविधान के प्रति समर्पण अनुकरणीय है. वह न केवल एक कामयाब वकील रहे हैं, बल्कि अहम मामलों में न्याय दिलाने के मामले में भी सबसे आगे रहे हैं."

उन्होंने आगे कहा कि अपने पूरे कानूनी करियर के दौरान, उज्ज्वल निकम ने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम लोगों के साथ हमेशा सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए काम किया है. उन्होंने कहा, "यह बहुत ही खुशी की बात है कि राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है. उनके संसदीय कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं."

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

बरवाल में विधायक राजीव जसरोटिया ने चलाया वृक्षारोपण अभियान, जनसभा में सुनीं जनता की समस्याएं

करीब 2000 पौधे वितरित, शहीदों की याद में लगाए पौधे, पानी-बिजली की समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

विधायक राजीव जसरोटिया शहीदों की स्मृति में पौधारोपण करते हुए।

कार्यसथल पर जनता को सम्बोधित करते जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया

राज कुमार

बरवाल/जसरोटा, जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने बुधवार को बरवाल क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक व्यापक वृक्षारा. पण अभियान चलाया। यह कार्यक्रम ष्एक पेड़ मां के नामष देशव्यापी अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसमें वन विभाग की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर डीएफओ सोशल फॉरेस्ट्री अशोक कालसी और रेंज ऑफिसर नरिंदर कुमार भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों को करीब 2000 पौधे वितरित किए गए, ताकि क्षेत्र में हरियाली बढ़े और लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक हों।

विधायक जसरोटिया ने इस अवसर पर कठुआ जिले के चार शहीदों की स्मृति में चार पौधे भी लगाए, और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के उपरांत विधायक जसरोटिया ने एक जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने स्थानीय निवासियों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध समाधान का आश्वासन दिया।

जनसभा में ग्रामीणों ने पानी की अनियमित आपूर्ति और बिजली की समस्या को लेकर चिंता जताई। इस पर विधायक ने च्भ्म् विभाग के एक्सईएन गिरधारी लाल गुप्ता और फोरमैन दलजीत सिंह को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए। साथ ही बिजली विभाग के अधिकारियों को भी स्थाई समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

विधायक ने कहा,

झ "मैं यहां आपकी समस्याओं को सुनने और उनका हल निकालने आया हूं। जनता की सेवा ही मेरा उद्देश्य है। हर व्यक्ति को बुनियादी सुविधाएं मिलें, यही मेरी प्राथमिकता है। मैं 24•7 आपके लिए उपलब्ध हूं। आइए हम सब मिलकर अपने क्षेत्र को एक बेहतर और समृद्ध समाज बनाएं।"

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ–साथ कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी मौजूद रहे।

प्रमुख रूप से उपस्थित लोगों में मंडल अध्यक्ष सु. रंदर सिंह, सरपंच शिवदेव सिंह, सरपंच सुखदेव सिंह, सरपंच मलविंदर सिंह, सरपंच पुरहतम सिंह, सरपंच भोली सिंह, सरपंच बोध राज स्याना, कैप्टन संदीप सिंह, कैप्टन जगदीश सिंह, कैप्टन अजीत चौधरी, पंच सुजान सिंह, कुलतर सिंह, नचत्तर सिंह, फ्लेयर सिंह, मनीष सिंह, अशोक कुमार, जय सिंह, पवन शर्मा आदि शामिल रहे।

विधायक विजय शर्मा ने उज्ज दरिया के किनारे बसे गांवों का किया दौरा, जल्द होगा चौनलाइजेशन

सबका जम्मू कश्मीर

मढ़ीन/हीरानगर (सनी शर्मा)रू हीरानगर के विधायक एडवोकेट विजय शर्मा ने आज तहसील मढ़ीन के सीमावर्ती गांव चक सभा का दौरा किया और साथ ही उज्ज दरिया की स्थिति का भी जायजा लिया। दौरे के दौरान विधायक ने उज्ज दरिया के किनारे बसे गांवा. चक छब्बा सलालपुर, धौलिया, जट्टा, कोटपुनू की समस्याएं भी सुनीं।

स्थानीय लोगों ने विधायक के समक्ष बारिश के दौरान उज्ज दरिया में आने वाले उफान से होने वाली परेशानियों को रखा और मांग की कि दरिया के किनारों पर चौनलाइजेशन किया जाए ताकि बाढ़ की स्थिति से निपटा जा सके।

विधायक विजय शर्मा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बरसात के बाद उज्ज दरिया का चौनलाइजेशन प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गंभीर है और जल्द ही इस दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

दौरे में डीडीसी सदस्य करण कुमार अत्री, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह, पूर्व सरपंच दीवान सिंह, ओबीसी मंडल अध्यक्ष खेम. राज मेहरा, कुलदीप राज सहित कई गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए और कहा कि जनता की समस्याओं को टालने की बजाय उनका स्थायी समाधान किया जाएगा।

श्रावण संक्रांति पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, प्राचीन शिव मंदिर रख होशियारी में हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सबका जम्मू कश्मीर

मढ़ीन/हीरानगर, (सन्नी शर्मा) श्रावण मास की संक्रांति पर बुधवार को मढ़ीन तहसील स्थित प्राचीन और स्वयंभू शिव मंदिर रख होशियारी में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही शिव भक्तों की लंबी कतारें मंदिर प्रांगण में उमड़ पड़ीं। हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ की पवित्र पिंडी पर जल अर्पित कर विशेष पूजा–अर्चना की।

भाजपा युवा नेता एवं पंच रवि शर्मा उर्फ छोटू ने जानकारी देते हुए बताया कि यह ऐतिहासिक मंदिर लगभग 6000 वर्ष पुराना है और इसका निर्माण पांडव काल में हुआ माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में साल भर श्रद्धालु आते हैं, लेकिन श्रावण मास में यहां विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं, जिसमें विशाल लंगर भी शामिल होता है।

श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव से शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और 'हर–हर महादेव' के गगनभेदी नारों से वातावरण को शिवमय बना दिया। सुरक्षा और सुविधा की दृष्टि से मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा उचित व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

श्रावण संक्रांति के इस पावन अवसर पर रख होशियारी मंदिर में आस्था, भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

महाराष्ट्र में थम नहीं रहा भाषा विवाद, मराठी नहीं बोलने पर ऑटो ड्राइवर को शिव सेना समर्थकों ने पीटा

नई दिल्ली

महाराष्ट्र में भाषा को लेकर दादागिरी जारी है. राज्य के पालघर जिले में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर 'मराठी विरोधी' टिप्पणी को लेकर एक ऑटो–रिक्शा चालक की पिटाई की है. पुलिस ने घटना की पुष्टि की है, लेकिन कहा है कि उन्हें अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है. वायरल वीडियो में, प्रवासी ऑटो–रिक्शा चालक को विरार रेलवे स्टेशन के पास एक व्यस्त सड़क पर शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं के एक समूह, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं, कथित तौर पर थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है. इसके बाद, उसे एक व्यक्ति और उसकी बहन, जिनके साथ उसने कथित तौर पर पहले दुर्व्यवहार किया था, से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने के लिए कहा जाता है.

साथ ही राज्य सरकार और उसकी भाषाई और सांस्कृतिक विरासत का "अपमान" करने के लिए भी माफी मांगनी पड़ती है.

(कहानी) आशीष–सुमन

बलविन्दर 'बालम'

मैं एक शादी पर गया और शगुन की रस्म अदा करने के बाद वहां भोजन हाल में भोजन शुरू करने के लिए प्लेट उठाने लगा तो एक बालक ने नमस्कार करते हुए मेरे पांव छुए। मैंने उसे आशीर्वाद तो दिया परन्तु उसे पहचान न सका। सोचा, कोई परिचित होगा, कोई जान–पहचान वाला होगा। मेरी सोच की पकड़ में वह आया नहीं। खैर! मैं भोजन के लिए प्लेट उठाने आगे बढ़ा तो उस लड़के ने बड़े इत्मीनान से, प्यार–सत्कार से, थोड़ा मुस्कुराते हुए, अपनत्व भरे भाव से एक प्लेट उठाई, कंधे पर रखे तौलिए से उसे साफ किया, थोड़ा मुनासिब सलाद और एक चम्मच मुझे देते हुए विनम्र भाव से कहा, सर, लीजिए! और जल्दी–जल्दी से जाता हुआ वह एक बहरे से कह गया, कि सर को किसी चीज़ की ज़रूरत हो तो ध्यान से यहीं दे देना। भीड़ काफी थी। मैं फिर भी उसे पहचान न पाया और न ही पूछ सका, कि बेटा, तुम कौन हो? मैंने भोजन तो कर लिया पर मेरा मन उस लड़के के बारे में ही सोच मग्न रहा। आखिर में मैंने उस बहरे से ही पूछा, बेटा, वह लड़का कहां है? जो मेरे बारे तुम्हें कह कर चला गया था। उस बहरे ने कहा, सर, वह वहां नान बना रहा है। मैं उसके पास गया, वह तपाक से सारा काम छोड़ कर, तौलिए से हाथ साफ करता हुआ मेरे पास आ गया। आते ही उसने विनम्र भाव से कहा, सर, आप ने मुझे पहचाना नहीं। मैंने मस्तिष्क में अतीत के आईने से झांकते हुए कोशिश के बाद उसको कहा, बेटे, नहीं। मैंने तुझे पहचाना नहीं। उसने आंखों में नमी भरते हुए कहा, सर, मैं दीपू हूँ। आप से पढ़ता रहा हूँ, सर। मैं उसका नाम सुनते ही हैरान रह गया। मेरे मस्तिष्क में वे दिन चल–चित्र की तरह दौड़ने लगे। मैंने विस्मित होकर कहा, बेटे, तू नान बना रहा है? तू तो इतना मेधावी, होशियार लड़का था। प्रत्येक परीक्षा में तू तो मेरिट में आता रहा था। आठवीं श्रेणी में तो बोर्ड की परीक्षा में मेरिट सूची में तेरा नाम था। तूने क्या हुलिया बना रखा है। इस चेहरे पर अभी से झुर्रियां, अभिरामता, बुझी–बुझी सी बोझल आँखें, क्या हो गया तुझे? तू आगे पढ़ा नहीं क्या? मैं तो सोचता था कि तू एक दिन बहुत बड़ा पदा. धिकारी बनेगा। तू आगे क्यों नहीं पढ़ा? मैंने उसके गंदले रूखे–सूखे बालों पर हाथ फेरते हुए कहा। उसने मेरा हाथ पकड़ लिया, वैसे ही जैसे स्कूल में पकड़ा करता था किसी समस्या के समाधान के बारे में पूछते समय और मुस्कुराते हुए कहने लगा, सर, क्या बताऊं? आठवीं श्रेणी को पास करके मैं दूसरे स्कूल में चला गया था। दसवीं श्रेणी पास करने के बाद जब मैं ग्यारहवीं श्रेणी में प्रवेशार्थ एक अन्य स्कूल में दाखिल हुआ, पर भाग्य की विडम्बना कि मास के भीतर ही एक दिन पिता जी शाम को मजदूरी करके साईकल पर आ रहे थे कि एक शराबी ट्रक वाले ने उनको कुचल दिया और वह मौके पर ही दम तोड़ गए। ट्रक का पता ही नहीं चला। अभी वह सदमा भूला नहीं था कि दो माह के बाद ही माता जी हार्ट अटैक से पूरी हो गई। और इस से घर में एक छोटी बहन और एक छोटे भाई का दायित्व मेरे कंधों पर आ गया। सर, सब रिश्तेदारों ने, सगे संबंधियों ने साथ छोड़ दिया। सर, इस मुस. ीबत में कोई न बना, किसी ने साथ न दिया। हम तीनों भाई बहन, रात भर मां और पिता जी को याद करके रोते रहते। घर में हमारे भाग का केवल एक ही कमरा था। क्योंकि दो चाचा थे। वे भी मजदूरी, मेहनत–दिहाड़ी ही करते थे। रोटी चलाने के लिए कोई न कोई काम तो करना ही था। मजबूर इस काम से संतोष करना पड़ा। यह हलवाई हमारे गांव का है। सौ रुपए दिहाड़ी पर मैं इस के साथ काम करने आ जाता हूँ। लगभग दो सालों से यह काम करता आ रहा हूँ। मैंने दीपू को प्यार से गले लगा लिया और अपने दिल में संकल्प ले लिया कि दीपू को पढ़ाऊंगा। अध्यापक का दायित्व होता है कि वह मेधावी छात्र की सहायता करें साधन विहीन छात्रें का मार्ग दर्शक बन कर उनके भविष्य को उज्जवल बनाने का प्रयास करे। दीपू बेटे, तू आगे पढ़ सकता है। मैं चाहता हूँ तू इस काम के साथ–साथ प्राईवेट पढ़ ले। मैं तेरी मदद करूंगा। तू किसी दिन मेरे घर आना। मैंने उसे पता समझा दिया। वह मेरी बात मान गया। मैं उसे आशीर्वाद देकर वापिस लौट आया। मैं शाम को घर के आंगन में बैठा एक पुस्तक पढ़ रहा था। बाहर बैल हुई, मैंने गेट खोला तो दीपू। एक आशा की किरण लिए, जिंदगी का संकल्प लिए। उसकी आंखों में एक चमक सी दिखाई दी, वह भविष्य को रोशन करना चाहती है। मैंने पत्नी को आवाज़ देकर चाय बनवाई। बातों के सिलसिले के साथ–साथ हम दोनों ने चाय पी। उसको मैंने कुछ महान व्यक्तियों की जीवन शैली के बारे बताया। श्री लाल बहादुर शास्त्री, सिख गुरुओं, रूसो, दिदरो इत्यादि की जीवनियां, उनके संकल्प, उनकी समाज को देन आदि के बारे में बता कर मैंने उसके हृदय में भविष्य को उज्जवल बनाने का बीज बो दिया, जिसको उसने अंतरात्मा से स्वीकार कर लिया था। मैंने कपड़े पहने। दीपू और मैं बाजार गए। वहां से ग्यारहवीं कक्षा की पुस्तकें खरीदें और उसका प्राइवेट दाखिला भेज दिया। पुस्तकें देते हुए उसको मैंने फिर समझाया था, जिंदगी का अर्थ क्या है? दीपू, जिंदगी में हमेशा इंसान को आशावादी होना चाहिए। बेटा, निराशावादी लोग तरक्की नहीं करते। उनके फूलों में सुगंध नहीं होती इत्यादि। दीपू ने जाते समय प्रण किया। मैं पढूंगा। उसने मेरे पांव छुए और भविष्य की दहलीज पर खूबसूरत प्राप्तियों के बंदनवार सजाने के लिए चल दिया मंजिल की ओर। दीपू हलवाई के काम के साथ–साथ दिल लगा कर पढ़ता। हलवाई का काम रोज़ नहीं मिलता था। किसी समागम या ब्याह–शादियों में ही काम मिलता था उसे। शेष समय वह पढ़ता और भाई–बहन को भी साथ–साथ पढ़ाता। बीच–बीच मेरे से सलाह– मशवरा करने के लिए आता–जाता रहता। समय का घोड़ा दौड़ता गया। समय का सूर्य उसी का है जो उसे अपना ले। समय के साथ जो चलते हैं वे समय के देवता कहलाते हैं। सूर्य की भांति जो चलते हैं वहीं महानता के पर्व बनते हैं।दीपू ने ग्यारहवीं और बारहवीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली। अगले ही माह में एक अखबार में जे–बी–टी– अध्यापकों के दो वर्षीय कोर्स का मैंने विज्ञापन पढ़ा। उसका मैंने फार्म भरवा दिया। उसको मेरिट में दाखिला मिल गया। हलवाई के काम के साथ–साथ अब वह सुबह–सुबह अखबार बांटने का काम भी करने लगा था। समय कब बीता पता ही न चला। इसी बीच मेरा स्थानांतरण किसी दूसरे शहर में हो गया। दीपू को मैंने बताया, मेरी तरक्की होने की वजह से मेरा स्थानांतरण हो गया है। दूसरी बात यह है कि दीपू, मैं अपने ही घर चला गया हूँ। किसी भी चीज़ की ज़रूरत पड़े तो मुझे याद कर लेना या मेरे पास आ जाना। देखो बेटा, जिंदगी कोई इतनी लम्बी नहीं है, चुटकी से बीत जाती है जिंदगी। मैं अब कितने वर्षों का हो गया हूँ। तू ही अपनी आयु को ले ले, क्या ऐसे नहीं लगता कि इतने वर्ष चुटकी से बीत गए? बस, समय को बांध लो मेहनत के आंचल से फिर यह धरती, यह आसमां तुम्हाराहै।उसे समझाते हुए मैंने घर का पता दे दिया।जिस दिन मैंने जाना था, दीपू हमें बस–स्टैंड पर छोड़ने आया था। पैर छू कर गले मिला। आंखों में आंसू भर लिए, सर! कह कर उसने आगे शब्द रोक लिए, जिन्हें मैं समझ गया था। मैंने उसे तरक्की भरा, आशीर्वाद दिया और कहा, दीपू, पढ़ना मत छोड़ना। तू एक दिन महान व्यक्ति बन सकता है। देखो बेटा, मस्तिष्क एक ऐसी धरती है जिसमें निष्ठा पूर्वक परिश्रम से कोई भी फसल बोई जा सकती है। मैं अपने शहर आ गया। दीपू के गांव से मेरा शहर कोई 150 किलोमीटर दूर था। मैं अब सेवानिवृत्त हो गया था। दीपू का ख्याल भी मन से ओझल हो गया था। घरेलू जिम्मेदारियों में, रिश्ते नातों में, समाज में रह कर इन्सान क्या–क्या भूल जाता है, कुछ पता नहीं चलता। वैसे भी बढ़ती आयु के तकाज़े में याददाश्त–स्मरणशक्ती क्षीण हो जाती है, नजर कम हो जाती है। आंखों का फैलाव कोनों को छूने लगता है। शरीर में पहले वाली क्षमता नहीं रहती। मेरे सारे बाल सफेद हो चुके थे। चेहरे पर झुर्रियों का साम्राज्य था। दांत भी कुछ ही शेष बचे थे। सेवानिवृत्त हुए कोई दस वर्ष हो गए थे। एक दिन मैं पेंशन लेने के लिए बैंक में गया। कुछ लेट हो गया था। बैंक में पहुंचा तो एक क्लर्क (लिपिक) ने कहा, अब आप लेट हो चुके हैं, कृपया कल टेंशन ले लेना। आज नए साहिब आए हैं, उनकी प्रथम आमद में पार्टी होने वाली है। मैं बैंक के गेट से बाहर होने वाला था, कि पीछे से किसी ने झुक कर मेरे पांव छू कर मुझे बगल में ले लिया। एक अप टू डेट आकर्षक व्यक्तित्व ने बगल ढीली करते हुए कहा, सर, आईए! मैंने चश्मे से झांकते हुए गौर से देखा। थोड़ी देर पहचानने में लगी। दीपू–––तू! हां, सर! वह मुझे मैनेजर वाले कमरे में ले गया। मैंने चलते–चलते कहा, तू यहां कैसे आया है? सर, आप बैठिए तो सही। उसने मुझे जबरदस्ती मैनेजर वाली कुर्सी पर बिठा दिया। मैंने बहुत इन्कार किया, कि यह तू क्या कर रहा है? पर वह मेरी अब बात मानने वाला कहां था। भाई, यह सब क्या कर रहे हो? उसने बैल दी। एक चपड़ासी (सेवादार) आया और उसका इशारा समझ कर दो ग्लास ठंडा ले आया। सर, मैं आप के शहर में इस बैंक में मैनेजर बन कर आया हूँ, सर। यह सुनते ही मेरी खुशी का कोई ठिकाना न रहा। मेरी

खुशी का पक्षी आसमान को छूने लगा। मैं सब भूल गया, कि मैं कहां आया था। सर, आज पार्टी में आप भी मेरे साथ शामिल होंगे।पार्टी का प्रबंध हो चुका था। दीपू ने मेरी बांह पकड़ कर मुझे पार्टी में

मेहमान (अतिथि) वाली उस कुर्सी पर बिठा दिया जिस पर उसने स्वयं बैठना था। पार्टी से पूर्व दीपू ने मेरा संक्षिप्त सा परिचय दिया। सब को बहुत खुशी हुई। बैंक कर्मियों में मेरी इज्ज़त, मान–सम्मान बहुत बढ़ गया। पार्टी खत्म होने के बाद दीपू और मैं उसकी गाड़ी में बैठ कर घर आ गए। रास्ते में दीपू ने मिष्ठान का डिब्बा ले लिया। घर पहुंच कर मैंने समस्त परिवार से उसकी मुलाकात करवाई। मैंने दीपू से उत्सुकता और जिज्ञासा से पूछा, कि तूने जे–बी–टी– करने के बाद क्या किया? कैसे रहा? परिवार कैसा है इत्यादि? उसने बताया कि सर, आप मुझे हिम्मत और धैर्य का बल देकर चले गए। बुझे दीपक को तेल और बाती देकर। जिसकी रौशनी अब आप देख रहे हैं सर। मैंने दिन रात मेहनत की। एक गांव में अध्यापक लग गया। साथ–साथ पढ़ता भी रहा। बहन की शादी की। भाई पढ़ रहा है। अध्यापक रहते हुए प्राईवेट बी–ए– की। बीए– की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। अखबार में प्रोबेशनरी ऑफिसर का विज्ञापन निकला। उस टेस्ट से मैं मेरिट पर रहा। प्रोबेशनरी ऑफिसर के बाद अब यहां आप के सामने हूँ, सर। उसके नेत्रें की ज्योति से मेरे नेत्रें की ज्योति मिल कर आलोकित हो उठी। उसने कहा, सर , मैं आपको बहुत याद करता रहा। पर क्या बताऊं सर, घर की जिम्मेदारियों ने सिर उठाने नहीं दिया। सर, आप द्वारा आरोपित

पौधा अंकुरित, पुष्पित, फलित होकर अब अपनी महक फ़ैला रहा है। जिसका श्रेय सर, केवल और केवल मात्र आप के आशीर्वाद को ही है। ऐसा कहते हुए उसने अपना सिर मेरी गोद में टिका कर स्नेह भरी दृष्टि मेरे मुख पर टिका दी। मैंने ऐसा महसूस किया जैसे दुनिया का सब से दीर्घ सम्मान आज मुझे मिला है, केवल मुझे।

बलविन्दर 'बालम' गुरदासपुर
ओंकार नगर, गुरदासपुर (पंजाब)
मो– 98156–25409

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन कठुआ में बड़ा फेरबदल, अध्यक्ष अजत शत्रु शर्मा ने दिया इस्तीफा

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ,डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन कठुआ में सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला, जब एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अजत शत्रु शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी।

उन्होंने एक आधिकारिक परिपत्र जारी कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी और साथ ही अपना कार्यभार उपाध्यक्ष एडवोकेट एस. देविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष एडवोकेट अनिल कालोत्रा और माननीय सचिव एडवोकेट राजेश कुमार को सौंपने की बात कही।

परिपत्र के अनुसार, नए पदाधिकारी कार्यकारी समिति में आम सहमति बनने तक एसोसिएशन के सभी जरूरी कार्यों को देखेंगे।

इस्तीफा ऐसे समय में सामने आया है जब अजत शत्रु शर्मा के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया में एक मामला पहले से ही लंबित है। शर्मा ने कहा कि वे इस्तीफे के बाद भी यदि कार्यकारी समिति को उनकी जरूरत महसूस हो तो लंबित मामले के निपटारे में अपना सहयोग देने को तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह इस्तीफा एसोसिएशन में चल रही आंतरिक खींचतान और हालिया घटनाक्रम का नतीजा माना जा रहा है। अब सभी की नजर नए कार्यकारिणी सदस्यों की आगे की रणनीति पर टिकी है।

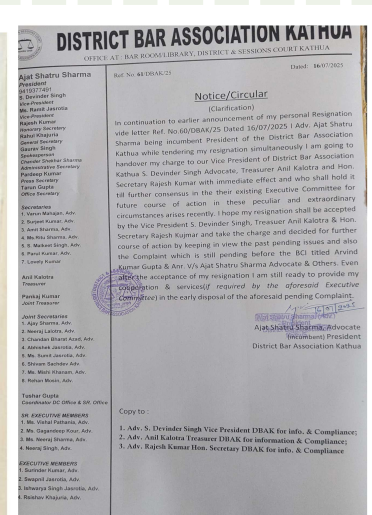

DISTRICT BAR ASSOCIATION KATHUA
OFFICE AT : BAR ROOM/LIBRARY, DISTRICT & SESSIONS COURT KATHUA

Ajat Shatru Sharma, President, 9419377491
S. Devinder Singh, Vice-President
Ms. Ramit Jasrotia, Vice-President
Rajesh Kumar, Honorary Secretary
Rahul Khajuria, General Secretary
Gaurav Singh, Spokesperson
Chander Shekhar Sharma, Administrative Secretary
Pardeep Kumar, Press Secretary
Tarun Gupta, Office Secretary

Secretaries
1. Varun Mahajan, Adv.
2. Surjeet Kumar, Adv.
3. Amit Sharma, Adv.
4. Ms.Ritu Sharma, Adv.
5. S. Malkeet Singh, Adv.
6. Parul Kumar, Adv.
7. Lovely Kumar

Anil Kalotra, Treasurer
Pankaj Kumar, Joint Treasurer

Joint Secretaries
1. Ajay Sharma, Adv.
2. Neeraj Lalotra, Adv.
3. Chandan Bharat Azad, Adv.
4. Abhishek Jasrotia, Adv.
5. Ms. Sumit Jasrotia, Adv.
6. Shivam Sachdev Adv.
7. Ms. Mishi Khanam, Adv.
8. Rehan Mosin, Adv.

Tushar Gupta, Coordinator DC Office & SR. Office

SR. EXECUTIVE MEMBERS
1. Ms. Vishal Pathania, Adv.
2. Ms. Gagandeep Kour, Adv.
3. Ms. Neeraj Sharma, Adv.
4. Neeraj Singh, Adv.

EXECUTIVE MEMBERS
1. Surinder Kumar, Adv.
2. Swapnil Jasrotia, Adv.
3. Ishwarya Singh Jasrotia, Adv.
4. Rsishav Khajuria, Adv.

Incharge YLA
1. Nipun Sharma Adv. [P]
2. Akashdeep Sharma Adv. [VP]

Ref. No. 61/DBAK/25 Dated: 16/07/2025

Notice/Circular
(Clarification)

In continuation to earlier announcement of my personal Resignation vide letter Ref. No.60/DBAK/25 Dated 16/07/2025 I Adv. Ajat Shatru Sharma being incumbent President of the District Bar Association Kathua while tendering my resignation simultaneously I am going to handover my charge to our Vice President of District Bar Association Kathua S. Devinder Singh Advocate, Treasurer Anil Kalotra and Hon. Secretary Rajesh Kumar with immediate effect and who shall hold it till further consensus in the their existing Executive Committee for future course of action in these peculiar and extraordinary circumstances arises recently. I hope my resignation shall be accepted by the Vice President S. Devinder Singh, Treasuer Anil Kalotra & Hon. Secretary Rajesh Kujmar and take the charge and decided for further course of action by keeping in view the past pending issues and also the Complaint which is still pending before the BCI titled Arvind Kumar Gupta & Anr. V/s Ajat Shatru Sharma Advocate & Others. Even after the acceptance of my resignation I am still ready to provide my cooperation & services(*if required by the aforesaid Executive Committee*) in the early disposal of the aforesaid pending Complaint.

16/07/2025
Ajat Shatru Sharma, Advocate
(incumbent) President
District Bar Association Kathua

Copy to :
1. Adv. S. Devinder Singh Vice President DBAK for info. & Compliance;
2. Adv. Anil Kalotra Treasurer DBAK for information & Compliance;
3. Adv. Rajesh Kumar Hon. Secretary DBAK for info. & Compliance

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

उज्ज दरिया में अवैध खनन पर डीएमओ की बड़ी कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज, जुर्माना वसूला

राज कुमार/सनी शर्मा,

मढीन/हीरानगर/कठुआ, अवैध खनन पर शिकंजा कसते हुए जिला खनन अधिकारी (डीएमओ) कठुआ ने बुधवार रात उज्ज दरिया क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। खनन विभाग की टीम ने नाका लगाकर तीन ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त कीं, जबकि अवैध खनन में संलिप्त डंपरों से ध1.50 लाख का जुर्माना वसूला गया।

सूत्रों के अनुसार, बीते कुछ दिनों से उज्ज दरिया के पास अवैध खनन की गतिविधियां तेज़ हो गई थीं, जिसकी शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी के चलते डीएमओ की अगुवाई में रात को दबिश दी गई और कई वाहनों की जांच की गई। कुछ ट्रैक्टर–ट्रॉली को रंगे हाथ पकड़ा गया, जो नियमों के विरुद्ध खनन कार्य में लगे थे।

डीएमओ ने कहा कि विभाग अवैध खनन को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा और आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विभाग का सहयोग करें और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में भागीदार बनें।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादकः राज कुमार